पटना ●बुधवार, 19 फरवरी 2025 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 6, अंक:44 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

एसपी और डीआईजी के आदेशों को ... 3 www. bordernewsmirror.com 'गंधारी' में एक्शन से भरपूर... 7

60 स्टेशनों पर नई सुविधाएं, बनेगा स्थायी होल्डिंग जोन

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के बाद रेलवे करेगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुई भगदड़ के बाद रेलवे एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। केंद्र सरकार ने देशभर के 60 व्यस्त रेलवे स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग जोन बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा, भीड़ नियंत्रण और संकट प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण देकर यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए दिशा का निर्देशन जरूरी है। इसके लिए तीर के निशान का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही डिवाइडर्स का भा इंतजाम किया जाएगा। खासतौर पर प्रयागराज से जुड़े 35 रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण की सख्त निगरानी होगी, जिन्हें रेलवे के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से मॉनिटर किया जाएगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की यह घटना शनिवार को हुई थी।

सत्येंद्र जैन पर चलेगा मनी लॉन्ड्रिंग का केस

राष्ट्रपति ने गृह मंत्रालय को परमीशन दी, जल्द होगी गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एएपी नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस चलाने की परमीशन दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 14 फरवरी को राष्ट्रपति से इस मामले में मंजूरी मांगी थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन के खिलाफ पीएमएलए की धारा 218 के तहत केस चलेगा। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही जैन की गिरफ्तारी कर सकती है।

मंत्रालय ने ईडी की जांच और पर्याप्त सबूत होने के आधार पर यह अनुरोध किया था। जांच एजेंसी ने कथित हवाला लेनदेन से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जैन पर 2017 में मामला दर्ज किया था और ईडी ने जांच शुरू की थी। 30 मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। करीब 18 महीने जेल में रहने के बाद उन्हें अक्टूबर 2024 में जमानत मिली। तभी से वे बाहर हैं। ईडी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। पूर्व मंत्री जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2015 से 2017 के बीच कई लोगों के नाम पर चल संपत्तियां खरीदीं। बाद में ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत भी मामला दर्ज किया।

जरूरत पड़ी तो जेलेंस्की से सीधा बात करेंगे पुतिन

सऊदी अरब में मीटिंग के बाद रूस का बड़ा बयान

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में एंट्री के बाद बीते तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में नया मोड़ आता हुआ नजर आ रहा है। रूस ने इस जंग को लेकर मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जरूरत पड़ने पर वोलोडिमिर जेलेंस्की से बात करने के लिए तैयार हैं। हालांकि इस दौरान रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के रूप में जेलेंस्की की

वैधता पर भी सवाल खड़े किए हैं। रूस ने यह भी कहा है कि सुरक्षा के व्यापक मुद्दे पर बात किए बिना यूक्रेन जंग का कोई हल नहीं निकल सकता। मंगलवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, पुतिन ने खुद कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे जेलेंस्की के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, हालांकि समझौतों के कानूनी आधार पर चर्चा की जरूरत है क्योंकि सच यह है कि जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाए जा सकते हैं। पांच साल का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो गया।

भारत और अमेरिका के बीच कुछ बड़ा होने वाला है!

बस, 6 से 8 महीनों की बात है, पीयूष गोयल ने दिए संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच अगले 6 से 8 महीने में कुछ बड़ा होने वाला है। यह संकेत कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में अमेरिकी दौरे से लौटे हैं। भारत और अमेरिका के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है। आने वाले दिनों में कुछ पर और बन सकती है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका जल्द ही व्यापार के मामले में बड़ा कदम उठाने वाले हैं। पीयूष गोयल ने संकेत दिए कि 6 से 8 महीने में यह नया व्यापारिक समझौता हो सकता है। इसके लिए दोनों देश बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। मतलब, दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुने से भी ज्यादा

करना है। पीएम मोदी के हाल ही में अमेरिकी दौरे के दौरान भारत और अमेरिका ने साल 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी अधिक करने की घोषणा की थी। यह एक बड़ा लक्ष्य है जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। दोनों देशों ने जल्द ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहुक्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के शुरुआती चरण पर बातचीत शुरू करने पर भी सहमति व्यक्त की। इस समझौते से कई क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। गोयल ने कहा कि समझौते के बारे में बातचीत उनके अमेरिकी समकक्ष के कार्यभार संभालने के बाद शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के व्यवसायी इस आगामी समझौते को लेकर उत्साहित हैं। इससे नए रोजगार और व्यापार के नए अवसर पैदा होंगे। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि समझौते में क्या-क्या शामिल होगा। साल 2021 से 2024 तक अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेंगे भारत और कतर

- व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान
- राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति मुर्मू के साथ पीएम भी रहे मौजूद,
- हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी से की द्विपक्षीय बातचीत, कई मंत्री थे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल-थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कतर अमीर ने सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से भी मुलाकात की। अमीर अल-थानी और पीएम मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, मनसुख मंडाविया और पीके मिश्रा इस बैठक का हिस्सा थे। दोनों पक्षों ने व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में कई समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। अमीर अल-थानी कल रात यानी 17 फरवरी को भारत पहुंचे थे। खुद पीएम मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव करने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद थे। कतर के अमीर 17 फरवरी को दो दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे हैं। यह अमीर की कतर की दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे मार्च 2015 में भारत आए थे। कतर अमीर अल-थानी की इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।

पूजा स्थलों के संरक्षण कानून पर 'सुप्रीम' स्टे बरकरार

सहारनपुर (एजेंसी)। पूजा स्थलों के संरक्षण कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थलों के संरक्षण कानून के खिलाफ पांच नई याचिकाएं पेश करने पर कोई नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा

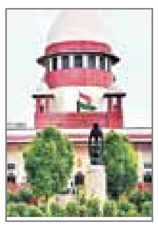

कि किसी भी मामले की एक सीमा होती है, और यह अदालत को तय करनी होती है। हालांकि, नई याचिकाओं को याचिकाकर्ता के रूप में दाखिल करने की अनुमति दी गई है। पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने स्टे (अस्थायी रोक) को बरकरार रखा था और मामले को तीन सदस्यीय पीठ के पास भेज दिया। अब ये मामला अप्रैल के पहले सप्ताह में तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष सुना जाएगा।

अब रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे होगा समारोह

- दिल्ली सरकार का शपथ ग्रहण 20 को, समय बदला
- आज विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह के समय में बदलाव हुआ है।

शपथ समारोह 4.30 बजे की जगह अब 11 बजे होगा। हालांकि, भाजपा ने अब तक सीएम फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को 3.30 बजे बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आज रामलीला मैदान का निरीक्षण किया।

चुघ ने कहा कि उप राज्यपाल वीके सक्सेना भी तैयारियों पर नजर रखे हैं। उन्होंने कहा कि शपथ समारोह भव्य और ऐतिहासिक होगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा।

दो स्टेट, भीषण एक्सीडेंट, 10 लोगों की मौत

- एमपी में डंपर ने लोडिंग वाहन को टक्कर मारी, 5 लोगों की मौत
- राजस्थान में महाकुंभ से लौट रही कार ट्रेलर में घुसी, 5 की मौत

भिंड (एजेंसी)। भिंड के जवाहरपुरा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े लोडिंग वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 20 घायल हैं। लोडिंग वाहन को टक्कर मारने के बाद डंपर ने बाइक को भी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट नेशनल हाईवे क्रमांक 719 पर मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। हादसे के शिकार सभी लोग जवाहरपुरा गांव में शादी से अपने गांव भवानीपुरा लौट रहे थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। डंपर ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। हाईवे को सिक्सलेन बनाने की मांग करते हुए कलेक्टर, एसपी और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। जानकारी लगते ही कलेक्टर संजीव

श्रीवास्तव, एसपी असित यादव, एसडीएम अखिलेश शर्मा, डीएसपी दीपक तोमर वहां पहुंचे और लोगों से बातचीत की। उनकी मांग ऊपर पहुंचाने का भरोसा दिलाया। करीब 4 घंटे बाद जाम खुल सका। इस दौरान व्यवस्था संभालने के लिए चार थानों का पुलिस बल

बुलाया गया था। इससे पहले कलेक्टर श्रीवास्तव जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले। वहां मौजूद परिजन से बात की। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए, गंभीर घायलों को 1-1 लाख और सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। उधर दौसा राजस्थान में हुए भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ से लौट रहे यात्रियों की कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दौसा शहर के बाइपास पर हुआ। कार में 6 लोग सवार थे। गाड़ी में फंसे 5 शवों को निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा। तीन घायलों को जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। गाड़ी के कुछ हिस्से तोड़कर घायलों को निकाला गया। कार सवार 5 लोग टोंक के देवली के रहने वाले थे।

रोड पर गाड़ियां तो संगम में लगा नावों का जमघट

- जेटी ओवरलोड हुई तो पुलिस ने बेरिकेडिंग कर भीड़ रोकी
- बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में नहीं मिल रही एंट्री

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। एक ओर सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं तो दूसरी ओर संगम में नावों का जाम लग गया। मंगलवार शाम 4 बजे तक 99 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 37 दिनों में 55.31 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है। अरैल घाट पर वीआईपी जेटी में मानक (40) से ज्यादा लोग चढ़ गए हैं। ये सभी वीआईपी कोटे से दाखिल हुए थे। पुलिस ने कुछ लोगों को उतारा। बेरिकेडिंग कर भीड़ को जेटी की ओर आने से रोका। वहीं, महाकुंभ आ रही एक कार में आग लग गई। घटना बैरहना मुहल्ले की है। कार काफी जल गई। अभिनेत्री जूही चावला ने भी संगम में स्नान किया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी सुबह थी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अरैल घाट पर मधुमक्खी का छत्ता टूट गया। इससे घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालु बचते हुए

संगम से बाहर निकलते नजर आए। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री से पहले ही रोक रही है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा चल रहे हैं, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के चलते श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने के लिए 10-12 किमी पैदल चलना पड़ रहा है। महाकुंभ के दौरान गंगा को निर्मल बनाए रखने के लिए प्रयागराज नगर निगम और उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा जियो-ट्यूब तकनीक का उपयोग कर 23 अनटैप्ड नालों के अपशिष्ट जल को शोधित किया जा रहा है। 1 जनवरी से 4 फरवरी तक 3 हजार 660 एमएलडी पानी साफ कर गंगा में छोड़ा गया है। नैनी साइड नया यमुना ब्रिज चौराहे से ही जाम लगा हुआ है।

सपाई दूसरों के बच्चों को कठमुल्ला बनाना चाहते हैं

- विधानसभा में सीएम योगी का बड़ा वार, विपक्ष को जमकर सुनाया
- कहा-ये अपने बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाएंगे, दूसरों से कहेंगे उर्दू पढ़ाओ

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा में मंगलवार को अंग्रेजी और उर्दू को लेकर जमकर बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि विधानसभा में अगर अंग्रेजी बोल सकते हैं तो उर्दू भी बोलने देना चाहिए। उर्दू भी तो भाषा है। इस पर सीएम योगी गुस्से में नजर आए। कहा- ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे।

दूसरे के बच्चे के लिए अगर वह सुविधा सरकार देना चाहती है तो कहते हैं कि इसको उर्दू पढ़ाओ। यानी ये बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। देश को कठमुल्लापन की तरफ ले जाना चाहते हैं। यह नहीं चलेगा। यह समाजवादियों का दोहरा चरित्र है। इनको समाज के सामने एक्सपोज करना चाहिए। जाकी रही भावन जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी...। इस बार विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही हिंदी के साथ अवधी, ब्रज, भोजपुरी, बुंदेली और अंग्रेजी भाषाओं में भी सुनी जा सकेगी। इस पर आज विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा- जो

हमारी भाषा है-अवधी, बुंदेलखंडी, उसका हम विरोध नहीं करते, लेकिन सदन में अंग्रेजी का इस्तेमाल न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा- बड़ी मुश्किल से यहां से अंग्रेजी हटाई गई थी। विधानसभा की भाषा हिंदी घोषित की गई थी, लेकिन अब अंग्रेजी लाकर हिंदी को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। यह नहीं होना चाहिए। अंग्रेजी हटाने के लिए हमने यातनाएं झेली हैं।

संक्षिप्त समाचार

कार्य में लापरवाही बरतने पर 11 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

● छपरा एसपी ने सभी का वेतन रोकने का दिया आदेश, पुलिस महकमे में हड़कंप

छपरा, एजेंसी। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले 11 पुलिसकर्मियों का वेतन रोक दिया है। यह कार्रवाई 15 फरवरी 2025 को अपराध गोष्ठी के दौरान अभियोजन शाखा की समीक्षा के बाद की गई। जांच में पाया गया कि इन अधिकारियों ने पिछले चार महीनों (सितंबर से दिसंबर 2024) के दौरान अभियोजन मामलों में आरोप-पत्र और अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में स्वीकृत नहीं कराए। कार्रवाई में प्रभावित अधिकारियों में नगर थाना से संजीव कुमार, मुफस्सिल थाना से दीपक सागर, भगवान बाजार थाना से सुभाष कुमार समेत विभिन्न अंचलों के पुलिस इंस्पेक्टर और थानाध्यक्ष शामिल हैं। एसपी ने पहले भी इस मुद्दे पर बैठक कर सभी अधिकारियों को चेतावनी दी थी, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने पर यह कठोर कदम उठाया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि अभियोजन कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अन्य सभी थानाध्यक्षों और इंस्पेक्टरों को मामलों का त्वरित निपटारा करने का निर्देश दिया है, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

जमुई को तोड़ने-जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा-श्रेयसी सिंह

● जमुई में हिंदू संगठन पर हुए पथराव पर बोली–दोषियों पर होगी कार्रवाई, अब तक 10 गिरफ्तार

जमुई, एजेंसी। जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के बालियोंडीह में हिंदू संगठन के लोगों पर रविवार को हुए पथराव की घटना को लेकर विधायक श्रेयसी सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना भावनात्मक रूप से दुखद है।

घटना उस समय हुई जब हनुमान चालीसा पाठ और खिचड़ी प्रसाद वितरण के बाद लोग शांतिपूर्वक लौट रहे थे। इस हमले में नगर परिषद उपाध्यक्ष नीतीश कुमार साव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज पटना में चल रहा है। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 41 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है और 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

चुनाव के समय माहौल खराब करने की हो रही कोशिश : विधायक ने स्पष्ट किया कि जमुई को तोड़ने और जलाने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से सभी समुदाय और धर्म के लोग यहां शांतिपूर्वक रह रहे हैं। चुनावी समय में इस तरह की घटनाएं करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रेयसी सिंह ने जिला प्रशासन के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जांच के बाद साजिश का पता चलेगा और इस मामले में शामिल सभी लोगों के नाम सामने आएंगे। उन्होंने इस घटना को असामाजिक तत्वों का काम बताया, जिन्होंने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में काफिले पर पथराव कर कानून को अपने हाथ में लेने का प्रयास किया।

बिहार का सीडी रेशियो राष्ट्रीय औसत से काफी कम, 5 सालों में 58 फीसदी तक ही पहुंचा

पटना, एजेंसी। बिहार का चालू वित्तीय वर्ष में साख जमा अनुपात यानी सीडी रेशियो 58.59फीसदी के आसपास बना हुआ है. राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति यानी (एसएलबीसी) की त्रैमासिक बैठक में वित्तीय वर्ष का आंकड़ा सामने आया है. बिहार का सीडी रेशियो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है. देश का राष्ट्रीय औसत 78फीसदी के करीब है.

5 सालों में 58त के करीब पहुंचा

बिहार सरकार पिछले कई सालों से लगातार सीडी रेशियो बढ़ाने के लिए बैंकों पर दबाव डाल रही है लेकिन पिछले 5 सालों में सीडी रेशियो 43फीसदी से बढ़कर 58फीसदी के करीब ही पहुंचा है, जबकि कई विकसित राज्यों में सीडी रेशियो 100 फीसदी से भी ऊपर है.

पिछले 5 सालों का सीडी रेशियो

साल 2019-20 में बिहार का सीडी रेशियो 43.03फीसदी, 2021-22 में 46.40फीसदी, 2022-23 में 55.64फीसदी, 2023-24 में 58.71फीसदी और 2024-25 में सीडी रेशियो 58.59फीसदी (दिसंबर तक) रहा है.

डबल इंजन की सरकार में भी नहीं बदला

सीडी रेशियो को लेकर बिहार में सियासत भी खूब होती रही है. प्रशांत किशोर की ओर से भी बिहार सरकार पर इसके लिए निशाना साधा जाता रहा है. डबल इंजन की सरकार में भी बैंकों का रवैया बिहार के प्रति नहीं बदला है. यही कारण है कि चालू वित्तीय वर्ष में बैंकों को 323093 करोड़ ऋण बांटने का लक्ष्य दिया गया है, जबकि अभी तक बैंकों की ओर से 168930 करोड़ ही लोन बांटे गए हैं. बैंक लोन बांटने में लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे हैं.

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में खुलासा

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024 -25 में अब केवल डेढ़ महीने के करीब ही समय बच गए हैं. राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 90वीं, 91वीं और 92वीं संयुक्त त्रैमासिक बैठक में उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने सीडी रेशियो बढ़ाने का निर्देश बचे हुए डेढ़ महीने में बैंकों को दिया है. बैंकों की तरफ से एक बार फिर से सरकार को आश्वासन दिया गया है. वर्तमान वित्तीय वर्ष में 60फीसदी तक होने की उम्मीद जताई जा रही है.

सीएम की जगह डिप्टी सीएम हुए शाामिल

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की पहली बैठक में ऐसे तो मुख्यमंत्री भी शामिल होते रहे हैं लेकिन इस बार सीएम नीतीश कुमार इसमें नहीं शामिल हुए. उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी और मुख्य सचिव सहित सभी आला अधिकारी और सभी बैंकों के प्रतिनिधि इस बैठक में मौजूद थे.

गया एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने की बैठक एयरपोर्ट के विस्तार पर अधिकारियों के साथ हुई चर्चा

नए रूट और बेहतर सुविधाओं की मांग

गया, एजेंसी। गया एयरपोर्ट को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बेलागंज विधायक मनोरमा देवी, गया के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम, एयरपोर्ट निदेशक बंगजीत साहा, मगध इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार केडिया, होटल एसोसिएशन संघ के सचिव संजय सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

एयरपोर्ट विस्तार पर जोर

बैठक में एयरपोर्ट के विस्तार, नए हवाई मार्ग, कार्गो संचालन और यात्रियों की सुविधाओं पर गहन चर्चा हुई। एयरपोर्ट निदेशक ने मौजूदा व्यवस्थाओं और भावी योजनाओं का खाका बैठक में पेश किया। मंत्री ने सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और योजनाओं को धरातल पर उतारने के क्रम में जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए।

नए रूट और बेहतर सुविधाओं की मांग

गया एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने नए रूट शुरू करने और सुविधाओं को अपग्रेड करने के सुझाव दिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जरूरी मांगों को केंद्र सरकार तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा।

बैठक में इन मुद्दों पर बनी सहमति

एयरपोर्ट विस्तार के लिए नए इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

इंटरनेशनल फ्लाइट्स बढ़ाने की रणनीति

कार्गो सुविधा विकसित करने के उपाय

यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम

गौरतलब है कि बीते दिनों गया से दिल्ली के लिए हवाई सेवा में विस्तार किए जाने की मांग केंद्र सरकार से की थी। इस पर सहमति भी चुकी है। सेवाएं बढाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। केंद्रीय मंत्री का जोर है कि दिल्ली के लिए अधिक हवाई सेवा के साथ साथ शुल्क भी पटना से दिल्ली की तर्ज पर हो। बैठक के अंत में एयरपोर्ट निदेशक बंगजीत साहा ने सभी को धन्यवाद दिया और भविष्य में इसी तरह के संवाद जारी रखने की बात कही।

'जो लालू प्रसाद यादव को गाली दे रहे वही भारत रत्न देंगे', तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

सीतमढ़ी, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सीतामढ़ी में अलग ही रूप में दिखे. उन्होंने सीतामढ़ी के सोनबरसा में कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि पर बीजेपी पर जमकर हमला किया. उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर और समाजवाद की ताकत देखिए, जो लोग उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां देते थे, आज वही लोग भारत रत्न दे रहे हैं.

बिहार में बढ़ रहा है अपराध का ग्राफ

तेजस्वी यादव ने कहा कि यह आपकी ताकत है कि आपके आगे कोई भी पार्टी और कोई भी नेता झुकता है. तेजस्वी यादव ने कहा कि लगातार बिहार में अपराध बढ़ रहा है. हमारे शासनकाल में हमने अपराधियों पर लगाम लगा दिया था, लेकिन नीतीश सरकार ने अपराधियों को खुला छोड़ दिया है.

नीतीश कुमार थक गए हैं

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार अब वह थक गए हैं. उनके पास अब कोई विजन नहीं रह गया. भाजपा की कठपुतली बन गए हैं. हमारे समय में जो विकास का काम हुआ उस काम को नीतीश कुमार कहते हैं हमने किया, लेकिन बिहार के जनता जानती है हमने चुनाव के समय में वादा किया था उसे पूरा करके दिखाया है.

जनता सिखाएगी सबक

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो हमने पहले कैबिनेट की बैठक में अपने किए गए वादे के अनुसार फैसला लिया. तेजस्वी यादव ने कहा आने वाले चुनाव में बिहार की जनता एनडीए गठबंधन को सबक सीखाकर छोड़ेगी.

लालू यादव को भारत रत्न देनी होगी

तेजस्वी यादव ने यहीं नहीं रूके बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज उनकी मजबूरी बन गई है. ये आपके वोट की ताकत है जो लोग गाली बोलते थे उन्हें मजबूरन कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देना पड़ा. उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने भी सामाजिक बदलाव किया है. आज जो लोग लालू यादव को गाली देते हैं. वही लोग आने वाले समय में उन्हें भी भारत रत्न देंगे. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का कहना है कि ये आपकी ताकत के कारण कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिला है. जो लोग लालू यादव को गाली दे रहे हैं आने वाले दिनों वही लोग भारत रत्न देंगे.

तालाब नहीं तो खेत में भी मखाना की उपज संभव

समस्तीपुर, एजेंसी। आपके पास तालाब झील नहीं है बावजूद आप मखाना की खेती करना चाहते हैं तो यह खेत में भी संभव है। एक एकड़ जमीन में दो लाख रुपए तक की बचत कर सकते हैं। बस आपको ऐसे खेत की तलाश करनी है जिस खेत में अप्रैल से अक्टूबर महीने तक कम से कम तीन फीट पानी लगा रहे। इसके साथ ही पारंपरिक विधि से मखाना बनाकर अच्छा मुनाफा भी कमाया जा सकता है। बस इसके लिए जरूरत है कि आप वैज्ञानिक द्वारा बताए गए तरीके से खेती करने की। हाल ही में लोकसभा में पेश हुए बजट में मखाना उत्पादन को लेकर बोर्ड के गठन का प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद लोगों में मखाना उत्पादन की रुचि और बढ़ गई है हालांकि मखाना की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मांग अधिक है उस हिसाब से उत्पादन नहीं हो पता है। बिहार के दरभंगा मधुबनी और कटिहार के कुछ इलाके में करीब 13,000 हेक्टेयर में इसकी खेती होती है।

कैसे करें मखाना का उत्पादन : मखाना उत्पादन के लिए डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा से जुड़े केवीके जाले के वैज्ञानिक दिव्यांशु शेखर बताते हैं कि तालाब, झील, पोखर आदि जगहों पर तो मखाना की खेती की ही जा सकती है अगर लोगों के पास यह संसाधन उपलब्ध नहीं है तो वह अपने खेत में मखाना का उत्पादन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें ऐसे खेत की तलाश करनी होगी जहां अप्रैल से अक्टूबर महीने तक कम से कम 3 फीट पानी लगा रहे। उन्होंने बताया कि फरवरी से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक इसकी रोपाई कर देनी चाहिए। धान रोपनी के समान्य ही इसकी भी रोपनी करनी चाहिए।

करीब डेढ़ महीने में बीज पौधा के रूप में बनकर तैयार हो जाता है और पानी के ऊपर आ जाता है। फल बनना शुरू हो जाता है, लेकिन उस समय अत्यधिक कांटा होने के कारण इसे समान्य तौर पर हाथों से तोड़ना संभव नहीं होता है फिर यह पौधा खुद ही गल कर नीचे गिरने लगता है। इसके बीज पूरी तरह से धरती पर गिर जाते हैं और पौधा गल जाता है तो इसके बीज को छानकर बाहर निकाल दिया जाता है।

कैसे तैयार होता है मखाना

पानी से छानकर निकाले गए बीज को पारंपरिक विधि से मखाना तैयार किया जाता है। हालांकि अब कई मशीन भी इसके लिए आ गए हैं, लेकिन बेहतर मखाना पारंपरिक विधि से तैयार हो रहा है। मखाना की तैयार बीज को अलग-अलग तापमान पर भूना जाता है। पहले इसे 20 से 25 डिग्री सेल्सियस पर भूना जाता है फिर इसे 25 से 50 डिग्री सेल्सियस पर फिर 75 से 100 डिग्री सेल्सियस पर और 100 डिग्री सेल्सियस के बाद इसके गर्म बीज को हैमर विधि से फोड़ा जाता है इसके मखाना का लावा तैयार हो जाता है। जिस मखाना का लावा 6द्वद्व से ज्यादा का होता है उसे बेहतर क्वालिटी का माना जाता है और इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत भी अधिक मिलता है।

1 एकड़ में दो लाख तक हो सकता है मुनाफा

कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि एक एकड़ मखाना की खेती में करीब 10 किलो बीज लगता है 1 किलो बीज की कीमत 300 से 350 रुपए होती है यानी करीब 35 से 4000 रुपए खर्च होता है और करीब तीन माह बाद दो लाख रुपए तक की आमदनी शुद्ध रूप से होती है।

माँ विषहारा महोत्सव में बॉलीवुड गानों पर झूमें श्रोता

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के दिवारी में आयोजित दो दिवसीय राजकीय माँ विषहारा महोत्सव का दूसरे दिन संगीतमय रहा। बॉलीवुड के मशहूर गायक सलमान अली और सारेगामा फेम सहरसा के लाल जय झा ने अपनी सुरीली आवाज से महफिल को चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में सलमान अली ने जब बचना ए हसीनों और मेरी उमर के नौजवानों जैसे सदाबहार गीत प्रस्तुत किए, तो हजारों दर्शक झूमने लगे। वहीं सहरसा के लाल जय झा ने हिंदी गानों की बेहतरीन प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मधेपुरा सांसद ने कलाकारों को किया सम्मानित : विशेष अतिथि के रूप में मधेपुरा सांसद दिनेश चंद्र यादव ने कार्यक्रम में शिरकत की और जय झा को क्षेत्र की शान बताते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की।सहरसा जिलाधिकारी वैभव चौधरी और जिला उप विकास आयुक्त ने भी कार्यक्रम में मौजूद रहकर कलाकारों का सम्मान किया। इस दौरान जय झा को सांसद ने मिथिला के रीति रिवाज से पाग व चादर देकर सम्मानित किया। वहीं जिला उप विकास आयुक्त ने बालीबुड गायक सलमान अली को पाग चादर पहनाया। महोत्सव में स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम की रौनक दोगुनी हो गई।

शिवहर में थप्पड़ मारकर सीएसपी संचालक से 4.85 लाख की लूट

मचा हड़कंप

शिवहर, एजेंसी। बिहार के शिवहर में लालगढ़ गोवास पेट्रोल पंप के पास सीएसपी संचालक से लूट की घटना घटी. मामला श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र का है. आरोप है कि बेखौफ अपराधियों ने एक सीएसपी संचालक से करीब 5 लाख रुपए लूट लिए.

बाइक से आए थे बदमाश

बताया जा रहा है कि अपाचे बाइक सवार तीन अपराधियों ने उसे रास्ते में रोक लिया. बाइक सवार बदमाशों ने उसे थप्पड़ मारकर पैसे से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए. घटना के तुरंत बाद एसडीपीओ सुशील कुमार और थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की तहकीकात शुरू कर दी. जैसे ही अर्जुन बैंक से लौटने लगा, डुमरी ब्लॉक के पास एक अपाची बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उसका पीछा किया. पेट्रोल पंप के पास एक नया मकान पार करते हुए अपराधियों ने उसे धक्का दिया, और उसके माथे पर बंदूक सटाकर बैग छीन लिया.

● **सरोज पासवान,** सीएसपी संचालक का भाई

मां थी चश्मदीद

अर्जुन की मां शीला देवी ने बताया कि वह अपनी आंखों से यह सब देख रही थीं. वह घास काटने के लिए घर से बाहर जा रही थीं, तभी उसने देखा कि उसके बेटे को अपराधियों ने धक्का देकर गिरा दिया और बैग लूटकर भाग गए.

थप्पड़ मारकर शिवहर में 4.85 लाख की लूट

एसपी शैलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि सोमवार की शाम अर्जुन पासवान, जो कि लालगढ़ चौक पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सीएसपी संचालक है, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ब्रांच से 4 लाख 85 हजार रुपए निकालकर घर लौट रहे थे. तभी पीछे से अपाचे सवार बदमाशों ने बाइक रुकवाया. हथियार दिखाकर थप्पड़ मारे और कैश छीनकर चलते बने. दिनदहाड़े वारदात से दहशत : इस घटना के बाद से इलाके में खौफ का माहौल बन गया है. जिस तरह से अपराधियों ने दिनदहाड़े हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया, उससे लोगों में दहशत का माहौल है. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

संक्षिप्त समाचार

निर्माणाधीन पथ का पदाधिकारीयों ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल व पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात एवं नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव के द्वारा सोमवार को नगर के मोतीझील के किनारे निर्माणाधीन पथ का नगर निगम पार्किंग से लेकर मंलगघाट तक पैदल मार्च करते निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान आरसीडी के संबंधित अभियंता एवं कार्यकारी एजेन्सी को पथ निर्माण का कार्य गुणवत्तापूर्ण तथा ससमय करने का निर्देश दिया गया। पदाधिकारीयों ने कहा कि उक्त पथ से हटाये गये अतिक्रमण से मोतीझील सौंदर्यीकरण के कार्य में तेजी आयेगी।

एसएसबी द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य जॉच व जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में संदीक्षा परिवार व ग्रामीणों का हुआ संयुक्त स्वास्थ्य जॉच

बीएनएम। मोतिहारी। 71 वीं वाहिनी एसएसबी मोतिहारी द्वारा प्रफुल्ल कुमार (कमांडेंट) के निर्देशन में मंगलवार को राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मझरिया में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जागरूकता सह जाँच शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. रेहान असरफ (दन्त रोग विशेषज्ञ) और डॉ. राकेश कुमार सुमन (जनरल सर्जन) रहमानिया मेडिकल और रिसर्च सेंटर मोतिहारी द्वारा ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं समय-समय पर इलाज के लिए जागरूक किया गया। वाहिनी के श्रीमती देबरती बनर्जी सिंह (संदीक्षा अध्यक्षा) के नेतृत्व में रहमानिया मेडिकल व रिसर्च सेंटर मोतिहारी से आयी स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रुकसाना प्रवीण द्वारा महिलाओं से जुड़ी बिमारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया तथा संदीक्षा परिवार के महिलाओं एवं ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं महिलाओं को अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को खुलकर सामने रखने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य जांच के बाद ग्रामीणों एवं संदीक्षा परिवार के महिलाओं के बीच आवश्यक दवाईयों का भी वितरण किया गया । कार्यक्रम के समापन में रहमानिया मेडिकल और रिसर्च सेंटर मोतिहारी के डॉ. रुकसाना प्रवीण (स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ) को वाहिनी के संदीक्षा परिवार के तरफ से स्मृति चिन्ह भेट किया गया I इस कार्यक्रम में वाहिनी के डॉ. राहुल राय (GDMO),स.उप निरीक्षक कुलवंत सिंह,मुख्य आरक्षी अभय कुमार एवं बड़ी संख्या में स.सी.ब. जवान मौजूद थे I एस. एस. बी. द्वारा कराये गए इस निशुल्क जाँच शिविर का ग्रामीणों के द्वारा बहुत ही प्रशंसा की जा रही है ।

विष्णु महायज्ञ को लेकर निकली शोभायात्रा

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण ज़िला स्थित नौतन ब्लॉक के बैकुन्ठवा पंचायत के श्री राम जानकी मंदिर के प्रांगण में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 श्री विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन किया। महायज्ञ को लेकर मंगलवार को निकली कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा।हर हर महादेव और जय श्री राम के जयघोष पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखकर हर हृदय में भक्ति की हिलोरें उठ रही थी आगे आगे बैंड बाजा और पीले व लाल परिधान में नंगे पांव कलश लिए महिला व युवतियों का समूह आकर्षक का केंद्र बना हुआ था मंदिर परिसर से माथे पर कलश लेकर श्रद्धालु धीमी गति से श्रीनगर धनुख टोली होते हुए बैधनाथ नगर, जयनगर, बजरंगी बाजार , हरदी पट्टी गांव से हरदिया मन पहुंची, जहां आचार्य राकेश मणी त्रिपाठी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरवाया गया। फिर माथे पर कलश लेकर श्रद्धालु शोभायात्रा के साथ वापस यज्ञशाला पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ कलश स्थापित की गई। आचार्य राकेश मणी त्रिपाठी ने बताया कि यह महायज्ञ विश्व कल्याण और शान्ति के लिए कराया जा रहा है।

एसपी और डीआईजी के आदेशों को नहीं मान रहे चकिया डीएसपी

दलित पर पुलिसिया दबाव से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करवाने के आरोप, परंतु वादी का बयान आना अभी बाकी

» जबरन किया सुपरविजन और दे दिया क्लीन-चिट

बीएनएम। मोतिहारीः सागर सूरज

चकिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह लगातार विवादों मे उलझते जा रहे है। उनके मनमाने रवैये का आलम यह है कि वे अब पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक तक के आदेशों को भी रद्दी के टोकरी मे फेंकने से बाज नहीं आ रहे है। गत दिनों मोतिहारी पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज रंजन कुमार को बीजधारी थाना कांड संख्या 45/24 के अभियुक्तों के साथ एसडीपीओ चकिया के साथ एक तिलक समारोह मे ली गई वायरल फ़ोटो को जांच करने का आदेश दिया था। यही नहीं पुलिस उप- महानिरीक्षक के पत्रांक 5336, दिनांक 23 दिसंबर, 2024 और पुलिस अधीक्षक के पत्रांक 6106, दिनांक 28 दिसंबर, 2024 के माध्यम से बीजधारी थाना कांड संख्या 45/24 की सुपरविजन करने का आदेश अरेराज एसडीपीओ को दे दी गई थी, इस बीच 29 दिसंबर के डेट मे चकिया एसडीपीओ ने आनन- फानन मे बीजधारी कांड संख्या 45/24 मे ना केवल अपनी सुपरविजन टिप्पणी निकाल दी, बल्कि अभियुक्तों को क्लीन चित भी दे दिया गया। इसकी पुष्टि अनुसंधानकर्ता चंद्रमा मांझी ने तो किया ही साथ ही उक्त मामले का एक अभियुक्त मिथुन सिंह ने भी फोन से चकिया एसडीपीओ द्वारा सुपरविजन किये जाने की बात कहते हुये मुकदमे को असत्य करार दिए जाने का दावा किया। साथ ही वादी से 04/01/25 को समझौता किये जाने की भी बात कहते हुये बॉर्डर न्यूज़ मिरर के पत्रकार को धमकाने वाले अंदाज मे अपना पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि 17 नवंबर 2024 को मुकदमा दर्ज किया जाता है और 4 दिसंबर, 2024 से अभियुक्तों का फ़ोटो फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया पर एसडीपीओ चकिया के साथ तैरने लगी, ऐसे मे तब तक ना तो मुकदमा मे कोई समझौता लगा था और ना ही सुपरविजन निकाला गया था और ना ही अभियुक्तों को क्लीन चीट ही मिली थी। किसी अमरेन्द्र सिंह के द्वारा 4 दिसंबर को अभियुक्तों के साथ एसडीपीओ चकिया सत्येंद्र कुमार सिंह का फ़ोटो पोस्ट किया गया। बताया गया कि एसडीपीओ पुत्र का तिलक कार्यक्रम था, वही यह तस्वीर ली गई थी। यही नहीं, पुलिस अधीक्षक और पुलिस उप-महानिरीक्षक के पत्रों की सूचना मिलते ही एसडीपीओ चकिया ने अपना सुपरविजन निकाल कर अपने किस अधिकार और प्रभाव का इस्तेमाल किया यह समझ से परे है। बहरहाल इस मामले मे मोतिहारी एसपी कौन सी कदम उठाते है, ये तो भविष्य के गर्भ मे है परंतु यह तो स्पष्ट है कि चंद गैर-जिम्मेवार पुलिस अधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक के बेहतरीन कार्यों मे पलीता जरूर लगाते नजर आ रहे है। इधर इस मामले मे डीएसपी चकिया सत्येंद्र कुमार सिंह से जब सवाल पूछा गया तो वे कुछ भी उत्तर नहीं दे सके।

बैंकर्स एसोसिएशन के साथ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में मंगलवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में मोतिहारी बैंकर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में बैंकों की सुरक्षा को लेकर सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विमर्श किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि बैंक के सभी कर्मचारी चाहे प्राइवेट कर्मचारी हो या सीएसपी सभी का पुलिस वेरिफिकेशन कराना सुनिश्चित किया जाए। बैंक में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे का हाई ड्राइव सुरक्षित रखा जाना अति अनिवार्य है। बैंक परिसर में दो स्थान चिन्हित कर अलार्म को अधिष्टतापित किया जाना जरूरी है इसके लिए बैंक अलार्म का मॉक डील कराने का निर्देश दिया गया। बैंक को देर रात्रि तक खुला रखने से पहले संबंधित थाना को अग्रिम सूचना दिया जाना आवश्यक है। बैंक से रुपया ले जाने से पहले सीएसपी संचालक द्वारा थाना को अग्रिम सूचना दिया जाना आवश्यक है। बैंक तथा एटीएम सुरक्षा में तैनात सुरक्षा गार्ड को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाए। बैंक से कैश वाहन के उपयोग के समय संबंधित थाना को भी अग्रिम सूचना दे दी जाए। बैठक में उपस्थित बैंकों के अधिकारियों से दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की बात कही गई। बैठक में जिला के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सिटीजन फोरम जागरूकता अभियान चलाकर ट्रैफिक जाम व अतिक्रमण मुक्त शहर के लिए करेगी प्रयास- राम भजन

बीएनएम। मोतिहारी

सिटीजन फोरम ऑफ़ मोतिहारी ने जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी के समक्ष मोतिहारी नगर के ट्रैफिक जाम एवं अतिक्रमण का मुद्दा उठाया था। सभी पक्षकारों के साथ बैठक का आयोजन, सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने किया था। इस मुद्दे पर सिटीजन फोरम द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय किया गया है ताकि सामाजिक संगठन भी अपनी भूमिका समस्या के निदान में निभाए। यह अभियान फोरम के पूर्व सचिव राम भजन के नेतृत्व में 20 फरवरी गुरुवार को प्रारंभ किया जाएगा। इसके प्रथम चरण की शुरुआत नगर के मध्य स्थित सत्याग्रह चौक से मधुबन छावनी चौक के बीच के व्यवसाईयों को समस्या के निदान में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान करके किया जाएगा एवं उन व्यवसाईयों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने कहीं भी कोई अतिक्रमण नहीं किया हो। उक्त व्यावसायिक जागरूकता अभियान का शुभारंभ नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव हरी झंडी दिखाकर करेंगे इस कार्यक्रम का नेतृत्व सिटीजन फोरम की अध्यक्ष बिंट्टी शर्मा एवं पूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र जालान संयुक्त रूप से करेंगे। अगले चरण में नगर के नागरिकों को उन बिंदुओं की जानकारी दी जाएगी जिसके चलते ट्रैफिक जाम होता है एवं उनसे अपना अतिक्रमण खुद हटाने की अपील की जाएगी। इस कार्य में नगर के अन्य सामाजिक संगठनों की भी मदद ली जाएगी। यह कार्य सिटीजन फोरम के सचिव सतीश टंडन, सहसचिव कौशल किशोर सिंह एवं कार्यकारिणी सदस्य सुधीर कुमार गुप्ता के नेतृत्व में चलेगा। मोतिहारी नगर निगम को भी नगर को सुंदर बनाने हेतु कई सुझाव दिए गए हैं जिसमें मधुबन छावनी चौक से सत्याग्रह चौक तक के हिस्से को मॉडल एरिया के रूप में उन्नत करने की बात है। साफ-सफाई के लिए भी कई मुद्दों पर अनुरोध किया गया है। फोरम के दोनों उपाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं धर्मवर्धन प्रसाद इस अभियान का नेतृत्व करेंगे। प्रशासनिक पदाधिकारी ने भी आश्वासन दिया है कि वह सिटीजन फोरम द्वारा उठाए गए 13 मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई करेंगे और हर तीन माह पर उसकी समीक्षा करेंगे। हमारा मानना है कि संयुक्त प्रयास से मोतिहारी सुंदर बनेगा एवं ट्रैफिक एवं अतिक्रमण की समस्या दूर होगी।

पंचायत समिति की बैठक छाया रहा नलजल व आठ महीने राशन नही मिलने का मामला

बीएनएम। तुरकौलिया

पंचायत समिति की सामान्य बैठक प्रखंड प्रमुख विभा यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रखंड स्थित सभागार भवन में हुई। बैठक में विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए चर्चा की गई। जहां पूर्व में हुई बैठक का समीक्षा करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू की गई। बैठक में ज्यादातर विभाग के पदाधिकारी अनुपस्थित थे। इस दौरान तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के मुखिया विनय कुमार ने अपने पंचायत की समस्या को लेकर सदन को बताया कि वार्ड नंबर एक में नलजल योजना करीब एक वर्षो से खराब है। साथ ही महादलित बस्ती में मेडिकल सेंटर खोलने के लिए सदन को अवगत कराया। तुरकौलिया पश्चिमी मुखिया रामजन्म पासवान ने सदन को बताया कि उनके दो वार्ड में नलजल योजना ठप है। साथ ही यह भी बताया कि प्रखंड परिसर में जाने वाली सड़क को कुछ दिन पहले ही मनरेगा से सड़क का निर्माण कराया गया था। जहां दूसरे विभाग से उसी सड़क पर निर्माण कराया जा रहा है। जिससे सरकार का पैसा नुकसान हो रहा है। पंचायत समिति सदस्य ईद महम्मद देवान ने सदन को अवगत कराया कि बेलवाराय पंचायत के वार्ड नंबर 12 में नलजल योजना करीब पांच वर्षों से नल जल योजना बंद है। अभी तक एक बूंद पानी के लिए तरसते है वार्ड निवासी। पंचायत समिति सदस्य रजनीश राय उर्फ पेटू राय ने सदन को बताया कि माधोपुर मधुमालत पंचायत के वार्ड नंबर 6 एवं 12 में नलजल योजना बंद है। अभी तक चालू नहीं किया गया है। सदन में बैठे पीएचडी के जेईई मो0 सफी अहमद ने सदन को अवगत कराया है कि नलजल योजना से संबंधित जो भी समस्याएं है उसे एक सप्ताह के अंदर उसे ठीक कर दिया जाएगा। शंकर शरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद ने सदन को बताया कि वार्ड नंबर 6 के नलजल योजना से वंचित घरों को अभी तक पानी नहीं मिलता है। इसे तुरंत बनाने के लिए सदन को अवगत कराया। साथ ही शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत के सभी जनवितरण प्रणाली के दुकानदारो द्वारा करीब 8 महीना से राशन नहीं दिया जाता है। इतना ही नहीं सभी उपभोक्ता से अंगूठा का निशान हर महीने ले लिया जाता है। इस मुद्दे को लेकर एमवो दिव्या किशोर ने सदन को अवगत करते हुए कहा कि सभी जनवितरण दुकानदारों के पास जा कर जांच करेंगे। अगर कोई भी दुकानदार भ्रष्टाचार में पकड़े जाते है तो उनके ऊपर कारवाई की जाएगी। बैठक में बीडीओ सरीना आजाद, प्रमुख विभा यादव, उप प्रमुख शाहिदा बेगम, पंसस उमंग देवी, ईद मुहम्मद, अमेरिका पासवान, राजकिशोर सिंह, चंदेश्वर पासवान, रजनीश राय उर्फ पेटू राय, अशरफी महतो, मुखिया विनय कुमार, रामजन्म पासवान, एजाज अहमद, विनोद सिंह, बबीता देवी, एमओ दिव्या किशोर, जमाल अहमद आदि सहित सभी पंसस व मुखिया मौजूद थे।

प्रचार-प्रसार के साथ घर-घर खिलाई जा रही है सर्वजन दवा

» अब तक 14 लाख 84 हजार 043 और डीईसी की -33 लाख 69हजार 698 गोली खिलाई गईं

» साइड इफेक्ट के भ्रम मिटने के बाद ग्रामीण सहजता से कर रहें हैं सर्वजन दवा का सेवन

» जिला स्तरीय टीम घूमकर दवा सेवन की कर रही है निगरानी

बीएनएम। मोतिहारी

फाइलेरिया (हाथी पाँव) एक गंभीर रोग है जिससे बचाव के लिए वर्ष में एकबार आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से लोगों को दवा का सेवन कराया जाता है ताकि लोग विकलांगता एवं कुरूप कर देने वाले इस गंभीर रोग से लोग बच सकें ये कहना है जिले के डीभीडीसीओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा का। उन्होंने बताया आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा घर-घर सर्वजन दवा का सेवन कराया जा रहा है। वहीं कुछ ग्रामीण क्षेत्रों मे दवा सेवन से होने वाले भ्रांतियों को तोड़ते हुए उन्हें फाइलेरिया रोधी दवा सेवन का महत्व बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, मुखिया, सरपंच वार्ड सदस्य, सहयोगी संस्था के सहयोग से लोगों को सर्वजन दवा खिलाई जा रहीं है। ताकि लोग दवा का सेवन कर हाथीपांव जैसे गंभीर बीमारियों से बच सके। उन्होंने बताया की चकिया,चिरैया, ढाका, संग्रामपुर व अन्य क्षेत्रों में लोगों को दवा खिलाने आशा कार्यकर्ता गई परंतु कई लोगों ने दवा खाने से इनकार कर दिया जिसे बाद में जनप्रतिनिधियों के द्वारा दवा सेवन का महत्व समझाने और सहयोग देने के बाद लोगों ने अल्बेंडाजोल व डीईसी की दवा का सेवन कराया गया।उन्होंने बताया की जिला स्तरीय टीम गठित की गईं हैं जो घूमकर दवा सेवन की मॉनिटरिंग/निगरानी कर रही है।

5 से 10 सालों में दिखाई देते हैं इसके लक्षण :- फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। जो किसी भी उम्र में हो सकता है। जिसके लक्षण 5 से 10 सालों में दिखाई देते हैं। इसलिए इससे बचाव हेतु लोगों को सर्वजन दवाओं का सेवन कराया जाता है।सभी स्वस्थ व्यक्ति को इस दवा का सेवन करना चाहिए। खाली पेट दवा नहीं खानी है।वहीं दवा खाने से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बताया कि यह दवा खाने से शरीर के अंदर मरते हुए कीड़ों की वजह से कभी-कभी किसी व्यक्ति को सिर दर्द, बुखार, उल्टी, बदन पर चकते एवं खुजली हो सकते हैं। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह स्वतः ठीक हो जाएगा। फिर भी ज्यादा दिक्कत होने पर ऐसे लोगों को चिकित्सकों की निगरानी में रखा जाएगा।भीडीसीओ सत्यनारायण उरांव ने बताया की एल्बेंडाजोल -14 लाख 84 हजार 043 और डीईसी की -33 लाख 69हजार 698गोली खिलाई गईं। 02 वर्ष के बच्चों को डीईसी की 1 गोली और एल्बेंडाजोल की 1 गोली, 6 से 14 वर्ष के बच्चों को डीईसी की 2 गोली व एल्बेंडाजोल की 1 गोली तथा 15 वर्ष से ऊपर के लोगों को डीईसी की 3 गोली व एल्बेंडाजोल की 1 गोली आशा कार्यकर्ताओं एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा अपने सामने खिलाई जा रहीं है।वहीं दवा खिलाने से पहले इस बात की पड़ताल की जाती है कि दवा खाने वालों में कोई गर्भवती महिला न हो वहीं खाली पेट या गंभीर रोग से पीड़ित लोगों को भी दवा नहीं खिलाई जा रहीं है।

नियमित टीकाकरण, कालाजार एवं एमडीए कार्यक्रम को लेकर टास्क फ़ोर्स की बैठक

- जिले के 23 प्रखंडो में होगा कालाजार का छिड़काव
- जिले में है पीकेडीएल के 05, भीएल के 19 मरीज

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में नियमित टीकाकरण, कालाजार एवं एमडीए कार्यक्रम पर डिस्ट्रिक्ट टास्क फ़ोर्स की बैठक मंगलवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में आयोजित की गईं जिसमें जिले भर के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, अनुमण्डलीय अस्पताल के उपाधीक्षक, भीडीसीओ, बीसीएम व स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए। उक्त मौके पर जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव, डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा से एमडीए एवं कालाजार दवा छिड़काव अभियान की विस्तृत जानकारी लीं। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने सभी स्वस्थ लोगों को सर्वजन दवा सेवन करने की अपील करते हुए कहा कि हाथी पाँव जैसे गंभीर रोगों से बचने के लिए दवा सेवन काफ़ी आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान रखें की दवा सभी स्वस्थ व्यक्तियों को ही खिलाई जाए। लोग किसी भी तरह के अफवाह में न पड़े, किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या सदर अस्पताल से सम्पर्क किया जा सकता है। डीभीडीसीओ डॉ. शर्मा ने बताया की आशा के द्वारा जिले के सभी प्रखंडो में एमडीए को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम चलाई जा रही है। वहीं जहाँ भी लोग दवा खाने से इनकार कर रहें हैं उन्हें दवा का महत्व समझाते हुए हाथी पाँव के बारे में बताते हुए लोगों को सर्वजन दवा खिलाई जा रही है। डीभीडीसीओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया की महीने के अंतिम सप्ताह तक जिले के 23 प्रखंडो में कालाजार के उन्मूलन हेतु दवा छिड़काव अभियान की शुरुआत हो जाएगी जो 60 दिनों तक चलेगी। उन्होंने बताया की जिला कालाजार उन्मूलन की राह पर हैं इसलिए प्रा.स्वा.केन्द्र, घोडासहन, पताही, अरेराज एवं रामगढ़वा में कालाजार उन्मूलन अभियान नहीं चलाया जा रहा है। छिड़काव दलों को ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि दवा का ढंग से छिड़काव हो सकें। उन्होंने बताया की जिले में है कालाजार का 24 मरीज जिनमें पीकेडीएल का 05, भीएल का 19 मरीज है। सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया की"मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना" के तहत बच्चेदानी के मुँह के कैंसर से बचाव को जिले को 720 एचपीवी टीका प्राप्त हुआ था जिसमें 99 टीका बच्चीयों को लगाया जा चुका है, आगे स्कूलों में कैंप लगाकर प्रचार-प्रसार किया जाएगा एवं सदर अस्पताल मोतिहारी में टीकाकरण कराया जाएगा।मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव, सदर एसडीओ स्वेता भारती, आईसीडीएस डीपीओ कविता कुमारी, एसीएमओ डॉ. गंगाधर तिवारी, डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा, यूनिसेफ़ के धर्मेंद्र कुमार, सिफार, पिरामल व अन्य पार्टनर एजेंसी के जिला प्रतिनिधि, जिले भर के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, अनुमण्डलीय अस्पताल के उपाधीक्षक, भीडीसीओ, बीसीएम व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शराब जप्त मामले में गिरफ्तार महिला के पुत्र पर प्राथमिकी दर्ज

छापेमारी के समय हो गया था फरार

बीएनएम। तुरकौलिया। पुलिस ने महानवा बाजार से दो दिन पूर्व महिला शराब तस्कर को गिरफ्तार किया था। वही एक युवक फरार हो गया था। जिसकी पहचान उसके पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई है। मां और पुत्र मिलकर शराब बिक्री का काम करते थे। मछली के दुकान की आड़ में दोनों इस काम को अंजाम देते थे। पुलिस एफआईआर दर्ज कर फरार युवक की तलाश कर रही है। गिरफ्तार महिला तस्कर व बरामद शराब मामले में बरामद विदेशी शराब मामले में एक महिला व उसके पुत्र पर एफआईआर दर्ज हुआ है। मालूम हो कि पुलिस ने महिला रीना देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन उसका पुत्र अजय बाइक छोड़ फरार हो गया था। जबकि उसका पुत्र अजय कुमार फरार हो गया था। महिला ने पुलिसिया पूछताछ में यह बात बताई थी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि 16 फरवरी को गुप्त सूचना पर कार्रवाई की गई थी। फरार तस्कर के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। 72 पीस फ्रूटी विदेशी शराब और एक बाइक तस्करों के पास से जब्त किया गया था।

दो सौ लीटर देशी चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के गायघाट पंचायत के फतुवा गांव में गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को सुबह देशी चुलाई शराब दो सौ लीटरऔर एक मोटरसाइकिल के साथ शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कारोबारी जयबंसी पासवान के पुत्र विनय पासवान साकिन जयसिंग पुर खीरूआ थाना तुरकौलिया निवासी बताया जाता है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर फतूवा स्कूल के पास से एक शराब के साथ कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार कारोबारी के पास एक मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR 22 अलग 6902 है जिसे पुलिस ने जप्त कर थाना लाया है। पूछताछ में कारोबारी ने बताया कि घर से मोटरसाइकिल से शराब लेकर क्षेत्र में देने जा रहा था। पूछताछ के बाद पुलिस ने कारोबारी को जेल भेज दिया।

सीतामढ़ी इलेवन ने समस्तीपुर इलेवन को 106 रनों से हराया

बीएनएम। मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड मुख्यालय के मैदान में मंगलवार को आयोजित स्व. शैलेन्द्र सिंह उर्फ़ नकुल सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उत्तम इलेवन सीतामढ़ी बनाम धवन इलेवन समस्तीपुर के बिच खेला गया। जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए सीतामढ़ी की टीम ने निर्धारित 20 ओवर मे 9 विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी समस्तीपुर की टीम 66 रनो पर ही ऑल आउट हो गई। इस तरह सीतामढ़ी की टीम ने 106 रनो से जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी पर कब्ज़ा जमाया।विजेता टीम को मुजफ्फरपुर के एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह के हाथो विजय ट्रॉफी के साथ 21 हजार नगद देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उपविजेता टीम को भी एक ट्रॉफी और 11 हजार रु देकर सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द मैच विजेता टीम के खिलाड़ी नितीश एक्सप्रेस को मिला। वही मैन ऑफ द सीरीज सीतामढ़ी के खिलाडी अल्केश को मिला। विदित हो कि इस टूर्नामेंट मे फ्री एंट्री फी था। जबकि विजेता टीम को 21000 और उपविजेता टीम को कप के साथ 11000 का राशि देकर पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट के आयोजनकर्ता आदर्श सिंह उर्फ़ राजा के द्वारा प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप मे मुजफ्फरपुर के निवर्तमान दिनेश प्रसाद सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी-संजय कुमार राय, थाना प्रभारी उमाकांत सिंह, जिला परिषद सदस्य जीतेन्द्र राय, सुनील राय, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश गामी, भाजपा नेता, शशांक शेखर वही कमेंट्री पैनल मे आदित्य सिंह उर्फ़ साहिल, अमर कुमार और साजन झा मौजूद थे। वहीं टूर्नामेंट का व्यवस्थापक सचिन सिंह, कुंदन सिंह, गोविन्द सिंह, आशुतोष, माहि, कन्हाई वही अंपायर के भूमिका में राजू सिंह एवं रेहान मौजूद थे।

मारपीट व गोलीबारी मामले में एक आरोपी सहित पांच गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। माधोपुर अहिरटोली गांव में 15 दिन पूर्व हुई मारपीट व गोलीबारी मामले में एक आरोपी सहित पांच को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार गोलीबारी का आरोपी उक्त गांव का मनीष कुमार यादव है। जबकि चार वारंटी माधोपुर नया टोला के शत्रुधन मिश्रा, गणेश मिश्रा, माधोपुर का हफीजुल्लाह देवान व रामबहादुर महतो है। मालूम हो कि 15 दिन पहले उधार का पैसा मांगने और डायन कह गाली गलौज करने को लेकर दो पट्टीदारों के बीच जमकर मारपीट व गोलीबारी हुई थी। जिसमें एक गुट के गिरफ्तार मनीष व दूसरे गुट के सोनू कुमार को गोली लगी थी। जिनका इलाज पुलिस अभिरक्षा में हो रहा था। मामले में दोनों गुटों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज हुआ था। एक गुट के पांच व एक गुट के चार लोग लोग आरोपित हुए थे। एफआईआर दर्ज आरोपितों में मुकेश कुमार, रामेश्वर प्रसाद यादव, सोनू कुमार, रामजतन राय, मनीष कुमार यादव, अरविंद राय, पम्मी देवी, मुन्नी देवी, रीता देवी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रेक्टर ट्रॉली व कार में टक्कर में एक की मौत

बीएनएम। रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के बेला चौक के बगल में बोल्डरवा एनएच 28 पर रविवार की देर रात्रि कार व मालवाहक ट्रेक्टर ट्रॉली में हुई टक्कर में ट्रैक्टर चालक की मौत घटनास्थल पर हो गयी। मृत ट्रेक्टर चालक मोहम्मद आशिक आलम हरपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी अजहर हुसैन का पुत्र बताया जाता है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। जबकि कार पर सवार यात्री रात का फायदा उठा कर फरार हो गए है ।कार का रजिस्ट्रेशन नम्बर व इंजन नम्बर से मालूम करने का प्रयास किया जा रहा है। वही ग्रामीणों ने बताया कि आशिक हुसैन अपने ट्रेक्टर ट्रॉली पर ईंख लाद कर रामपुर से सुगौली चीनी मिल जा रहा था, तभी रविवार की देर रात्रि एक लापरवाह कार चालक ने ट्रॉली के पीछे ठोकर मार दी, जिसके बाद ट्रॉली ट्रेक्टर से अलग हो गया और ट्रेक्टर सड़क के किनारे लगे पोल से टकरा गया। जहाँ ट्रेक्टर चालक की मौत घटनास्थल पर हो गयी। शव की पोस्मार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को शव को सौप दिया है।

युवा राजद की एकदिवसीय बैठक

बीएनएम। हरसिद्धि। युवा राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा 5 मार्च 2025 को होने सभा को लेकर हरसिद्धि प्रखंड में युवा राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा एकदिवसीय बैठक का आयोजन किया गय। जिसकी अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार यादव ने किया वही मंच संचालन हरसिद्धि प्रखंड के प्रधान महासचिव परवेज आलम ने

किया। मौके पर उपस्थित युवा राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष नुरुल होदा द्वारा राष्ट्रीय जनता दल के मोतिहारी प्रभारी मुकेश यादव, हरसिद्धि के पूर्व विधायक राजेंद्र राम, हरसिद्धि प्रखंड के प्रत्याशी नागेंद्र राम, युवा राष्ट्रीय जनता दल के उपाध्यक्ष संजय निराला, प्रदेश महासचिव अवनीश यादव, मोतिहारी प्रधान महासचिव शिवम शास्त्री, प्रखंड प्रभारी अभिनंदन साहनी, राजद जिला सचिव सुरेंद्र यादव, हरसिद्धि किसान प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष नितेश्वर मणिपाल तथा तमाम राजद नेता उपस्थित थे।

हर -हर महादेव के नारों के बीच रुद्र महायज्ञ का निकाली गई कलश यात्रा

» हजारों की तादाद में श्रद्धालु हुए शामिल

बेतिया सांसद संजय जायसवाल द्वारा फीता काट कर रुद्र महायज्ञ का किया शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन व बनकटवा प्रखंड को जोड़ने वाली घोड़ासहन जगीरहा बिजबनी छठ घाट पर मंगलवार को हर -हर महादेव के नारों से गुंजित ग्यारह दिवसीय रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ बेतिया सांसद संजय जायसवाल द्वारा फीता काटकर किया गया।इस दौरान 5551 कुंआरी कन्याओं द्वारा गाजे-बाजे और हाथी घोड़ों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा को लेकर मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का महायज्ञ स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया था । सुबह करीब 9:00 बजे यज्ञ आचार्य ईश्वरचंद्र तिवारी के नेतृत्व में विद्वान पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के बीच कलश यात्रा प्रारंभ हुआ । कलश यात्रा रुद्र महायज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर जगीरहा, बीजबनी, वीरता चौक घोड़ासहन मेन, बस स्टैंड रोड होते हुए गोविंदपुर चारधाम मंदिर अरुणा नदी के पास पहुंचा।जहां वैदिक मंत्रोंच्चारण के बीच कलश में जल भरने का कार्यक्रम पूर्ण किया गया। पुनः कलश यात्रा गोविंदपुर आदि गांव से होते हुए रुद्र महायज्ञ स्थल पर पहुंच कर समाप्त हुआ। इस दौरान तेज धूप और गर्मी के चलते रास्ते में जगह-जगह पूर्व प्रमुख बनकटवा व भाजपा नेता गणेश यादव द्वारा पानी शरबत और महा प्रसाद आदि की व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए की गई थी। महायज्ञ के व्यवस्थापक पूर्व मुखिया शंकर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ग्यारह दिवसीय महायज्ञ के दौरान प्रसिद्ध प्रवचन का लाभ श्रद्धालुओं को मिल सकेगा। कलश यात्रा में बेतिया सांसद डॉ संजय जायसवाल, पूर्व प्रमुख गणेश यादव, जिला पार्षद श्रवण यादव, लालबाबू यादव, भाजपा जिला प्रभारी बरुण सिंह, पैक्स अध्यक्ष व पूर्व मुखिया कुश कुमार, रिंकू सिंह, राम बाबू प्रसाद, राजद नेता शिवशंकर यादव, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी श्याम कुमार मंडल, अंचलाधिकारी अतुल कुमार बादल,जीतना थाना अध्यक्ष अमित कुमार, मीडिया प्रभारी नीरज प्रभाकर, रणधीर कुमार, सुनिल यादव, सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थें।

नौतन स्टेट बैंक के सामने बाइक चालक ने महिला को मारी टक्कर पीएचसी में भर्ती

बीएनएम। नौतन

थाना क्षेत्र के नौतन बाजार में मंगलवार के दिन करीब 11ः 30 बजे स्टेट बैंक के सामने बेतिया - गोपालगंज मुख्य मार्ग में बाइक चालक ने एक महिला को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला बुरी तरह से जख्मी हो गई।घायल महिला की पहचान पूर्वी चंपारण जिला के मुरारपुर के छटू चौधरी के पत्नी मीना देवी के रूप में की गई है।घायल महिला के परिजन ने बताया की विगत दिन अपने बेटी प्रियंका देवी पति निर्भय चौधरी के घर नौतन थाना क्षेत्र के खैरा टोला में आई थी पुनः वापस अपने घर जा रही थी तभी बेतिया के तरफ से आ रही बाइक ने महिला को टक्कर मार दी जिससे महिला की गंभीर चोट आई है।घटना के सूचना पर पहुंचे नौतन थाना के पुलिस ने बाइक समेत बाइक चालक को अपने साथ थाना लेकर चली गई। वही घटनास्थल से घायल महिला को इलाज के लिए नौतन थाना के एस आई शमशाद अहमद ने पी एच सी नौतन भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने ट्रीटमेंट कर बेहतर उपचार हेतु बेतियां जीएमसीएच अस्पताल रेफर कर दिया बाइक चालक की पहचान बैरिया थाना क्षेत्र के पुलियाखाड़ पंचायत के मच्छरगवा निवासी के रूप में की गई है पुलिस ने बताया कि आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपनों को सकार करने हेतु अपशिस्ट प्रसंस्करण इकाई का हुआ उद्घाटन

प्रखंड विकास पदाधिकारी, पंचायती राज पदाधिकारी एवं पंचायत मुखिया ने हरी झंडी दिखाकर ठेला एवं गाड़ी किया रवाना

बीएनएम। नौतन

लोहिया स्वच्छ बिहार के तहत स्वक्ष भारत के सपने को साकार करने के उदेशय से ग्राम पंचायत राज बरदाहा मे प्रखण्ड बिकास पदाधिकारी और मुखिया राजहरण कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फिता काटकर उद्घाटन किया गया। पंचायत मुखिया राजहरण कुमार ने बताया कि की दीप से दीप जलाएंगे। साक्षर देश बनायेंगे। स्वक्षता अपनाना है बारदाहा पंचायत मे खुशियाँ लाना है। वही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह एवं पंचायती राज पदाधिकारी प्रदीप प्रसाद ने कहा की अपने घर कि तरह आस पास भी साफ सफाई रखने की जरूरत है। इसमे हम सबका हाथ हो। वही मौके पर पहुंचे मुखिया संघ के अध्यक्ष सह गहीरी मुखिया अनूप लाल यादव एवं मंगलपुर गुदरिया मुखिया राजेंद्र सिंह , काला मंगलपुर पंचायत मुखिया राजेश पाण्डेय मुखिया प्रतिनिधि शैलेश कुमार इत्यादि ने बताया कि स्वच्छ भारत के सपनों को साकार करने हेतु हम सभी प्रतिनिधियों को आगे आने की जरूरत है एवं ग्रामीण लोगों को समझने की जरूरत है। इंदिरा सहायक जितेंद्र आर्यन ने अपने सम्बोधन मे कहा की स्ववस्थ्य शरीर मे स्ववस्थ्य आत्मा रहती है घर के आस पास पेड़ लगाने की जरूरत । मौके पर कन्हैया यादव, नंदकिशोर कुशवाहा, उप मुखिया सुजीत कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी अमित सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

जल जमाव से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पीपराकोठी एनएच पर वर्षों से जल जमाव की समस्या के त्रस्त ग्रामीणों ने मंगलवार को एनएच जाम कर रोष व्यक्त किया। जल निकासी को लेकर बरकुरवा के ग्रामीणों ने बताया कि कई बार एनएचआई के पदाधिकारियों व सरकार के अधिकारियो पत्र भेज चुके हैं।लेकिन सामाधान नही मिला।जिस कारण मजबूर होकर ग्रामीण नवोदय स्कूल के समीप एनएच को जाम किया गया।जाम के कारण मोतिहारी से गोपालगंज व मुजफ्फरपुर की ओर जाने वाली सड़क पर आवागमन करीब एक घंटे तक बाधित रहा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बरकुरवा के समीप एनएच पर सालोभर गांवों से निकलने वाली पानी लगा रहता है। यह समस्या एनएचआई का नाला जाम होने के कारण कई वर्षों है। जल जमाव के कारण महामारी फैलने और प्रतिदिन वाहनों के गिरने की बात भी ग्रामीणों ने बताया। ग्रामीणो ने बताया कि मामले को लेकर पटना से दिल्ली तक सभी संबंधित कार्यालयों में आवेदन भेजा जा चुका है।लेकिन सभी ने समस्या की उपेक्षा की। बताया कि गर्मी आरंभ होते ही समस्या और कठिन हो जाती है। एनएचआई द्वारा वर्षों बाद भी समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका।वही जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष खालिद अख्तर, मुखिया हेमंत कुमार सहित अन्य के समझाने के बाद जाम हटा। मामले को लेकर एनएचआई के प्रोजेक्ट हेड वरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि नाले की उड़ाही की गई है। और स्थायी समाधान तक टैंकर से जलजमाव स्थल से जल उठाव होता रहेगा।

पाइप लाइन से डीजल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के तीन चोर गिरफ्तार

एक टैंकर सहित डीजल चोरी करने वाले कई उपकरण के साथ मास्टरमाइंड पलास नस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण, 18 फ़रवरी (हि.स.)।जिले के कोटवा थाना क्षेत्र के मछरगावा पंचायत के नवादा में डीजल पाइप लाइन से डीजल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के तीन बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मौके से पुलिस ने एक तेल टैंकर , कुदाल , फावड़ा , खंती , पाइप , सहित तेल चोरी में उपयोग करने वाले कई उपकरण बरामद किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए गिरोह में पलास नस्कर, पिता स्व.मानिक चन्द्र नस्कर,साकिन रहीम ओस्टागर रोड, थाना-लेक कोलकता, पश्चिम बंगाल भगवान यादव,पिता स्व. इन्द्रदेव यादव, साकिन-महाराजपुर, थाना-सहतवार, जिला-बलिया, उत्तर प्रदेश व सरवन कुमार यादव, पिता शिवजी यादव, साकिन चांदपुर, थाना-सहतवार, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश शामिल है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड पलास नस्कर है।जो देश के कई राज्यो में घुम-घुम कर पाइप लाइन से तेल चोरी की घटना को अंजाम देता है।इसके विरूद्ध बिहार व झारखंड में कई मामले दर्ज है।मोतिहारी पुलिस के अनुसार टैंकर लगाकर डीजल पाइप लाइन के समीप खुदाई किए जाने की सूचना इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा 112 की टीम को दी गई। सूचना पर 112 की टीम के पदाधिकारी लक्ष्मण कुमार,कमलेश ठाकुर व प्रिया कुमारी एवं कोटवा थाने के अपर थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच कर खदेड़कर कर एक डीजल चोर को घटनास्थल से गिरफ्तार किया। उसके बाद टावर लोकेशन एवं पकड़े गए युवक की निशानदेही पर दो लोगों को अरेराज से गिरफ्तार किया गया। जिस जगह से डीजल पाइप गुजरी हुई है उसी जगह सड़क पर टैंकर लगाकर चोरों द्वारा पाइपलाइन के समीप लगभग तीन फीट तक गढ़ा खुदाई की गई थी।जिसकी भनक लगते ही पुलिस ने उसमें शामिल एक चोर सहित टैंकर को जब्त कर लिया। बताया गया है रामगदवा में भी उक्त गैंग ने घटना किया है। पाइप लाइन जमीन के छह फिट नीचे बिछाया गया है,जिससे तेल सप्लाई किया जाता है। इस मामले में डीएसपी सदर 2 जीतेश पांडे ने बताया है कि पुलिस की इस मामले में अग्रतर कारवाई जारी है।

दो गाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर में आधा दर्जन लोग घाटल

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले के मिश्रौली चौक के पास कार व ट्रैक्टर में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। घटना मंगलवार की सुबह की है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। कार सवार प्रयागराज के कुंभ मेले से लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे आलू लदे ट्रैक्टर-ट्राली से कार की टक्कर हो गई। टक्कर में ट्रैक्टर दो भाग में बंट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने वाहन में दबे लोगों को बाहर निकाला और ईलाज के लिए चनपटिया अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने आधा दर्जन घायलों में एक बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। शेष पांच लोगों को गंभीर हालत में बेतिया के जीएमसीएच रेफर किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। चनपटिया नगर के साहू विवाह भवन के समीप के रहनेवाले श्रीकांत साहू अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार पर सवार होकर प्रयागराज से लौट रहे थे। कार श्रीकांत चला रहा था। तभी लौरिया-कैथवलिया रोड पर मिश्रौली चौक के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर से भिड़ंत हो गई। कार का एयर बैग खुलने से चालक श्रीकांत को हल्की चोट लगी। घटना के बाद ट्रैक्टर का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। कार में सवार उमाकांत साहू उनकी पत्नी निक्की देवी, भाई श्रीकांत साहू, बेटी पारुल , बेटा दीपू कुमार व एक 3 वर्षीय बच्चा जख्मी हो गए। जिसमें उमाकांत साहू, निक्की देवी व श्रीकांत साहू का इलाज जीएमसीएच में चल रहा है। वही दीपू कुमार व एक ढ़ाई वर्षीय बच्चा का ईलाज बेतिया के निजी अस्पताल में हो रहा है।

जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यतांओं को दिये कई सुझाव

बीएनएम। चकिया

शहर के मधुबन रोड स्थित एक विवाह भवन के सभागार में मंगलवार को जन सुराज पार्टी का कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती का कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत कैसे करे इस पर कई सुझाव दिए। साथ हीं उन्होंने कार्यकर्ताओं से जन सुराज के विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम यादव जबकि संचालन ठाकुर अविनाश ने की। मौके पर जन सुराज पार्टी के जिला अध्यक्ष रामशरण यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय देव,प्रो मो रिजवान,जयंत कुमार,प्रकाश सिंह,कृत नारायण कुशवाहा,मो मकसूद आलम अंसारी, मोनिका शर्मा,रवि ओझा,मंतोष सहनी,अशोक राम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

हाथ टूटने पर डॉक्टर ने लगाया गर्दन में इंजेक्शन, 12 साल के बच्चे की हुई मौत

आक्रोशित लोगों ने डॉक्टर के दो कंपाउंडर को बनाया बंधक,जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी में एक डॉक्टर की लापरवाही से 12 साल के बच्चे की जान चली गयी। बच्चा घर का इकलौता चिराग था। जिसकी मौत होने के बाद परिजनो में कोहराम मचा है। सबका रो-रोकर हाल बुरा है। परिजन आरोपी डॉक्टर और कंपाउंडर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृत 12 वर्षीय बच्चे की पहचान पटेरवा निवासी बुलेट महतो के पुत्र प्रिंस के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि बीते दिनो प्रिंस का हाथ टूट गया था। जिसका आपरेशन डॉ राजेश्वर के यहां कराया गया था,लेकिन उसमे दर्द होने की शिकायत पर मोतिहारी के मिशन चौक स्थित डॉक्टर राजेश्वर कुमार के क्लिनिक में दुबारा आये थे। लेकिन यहां डॉक्टर ने टूटे हाथ का ऑपरेशन करने के बजाय बच्चे के गर्दन

में इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी, और कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर डॉक्टर के क्लीनिक में पहुंचे परिजन व अन्य आक्रोशित लोगों ने डॉक्टर के दो कंपाउंडर को बंधक बना लिया और शव को लेकर मुफ्फसिल थाना पहुंच कर अपनी व्यथा पुलिस बताया। मृतक की दादी पुनकली देवी ने बताया कि 12 साल का प्रिंस हमारा इकलौता पोता था। घर का वो इकलौता चिराग भी था। उनका पोता बिल्कुल ठीक था। एक बार डॉक्टर राजेश्वर कुमार ने ही उसके हाथ का ऑपरेशन किया था लेकिन हाथ में दर्द रहने के कारण उसे दोबारा ऑपरेशन करने के लिए डॉक्टर राजेश्वर ने बुलाया था। लेकिन इससे पहले बच्चे के गर्दन में इंजेक्शन दिया गया जिसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गयी। डॉ. राजेश्वर क्लिनिक के कंपाउंडर रामजी प्रसाद का कहना है कि बच्चे को इंजेक्शन दिया गया था लेकिन इंजेक्शन के बाद बच्चे को उल्टी होने लगी और कुछ देर बाद मौत हो गयी। कंपाउंडर ने बताया कि डॉक्टर राजेश्वर कुमार के यहां हम लोग काम करते हैं और उन्हीं के आदेश पर हमने बच्चों को इंजेक्शन दिया था। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने हम लोगों को बंधक बना लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी। बीते दो वर्षो से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा। नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं। खिलाड़ी और संपादक रहने के नाते उन्हें दांवपेंच का महारथी माना जाता रहा है। कुछ ही दिन पहले उनका कथित इस्तीफा भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसे फटा हुआ बताकर शरारत साबित करने की कोशिशें की गई थीं। सबसे लंबे समय तक वहां के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी के सबसे करीबी रहने और उनसे राजनीतिक दांव-पेच सीखने वाले सिंह ने न सिर्फ उनसे बगावत की बल्कि पलटवार करते हुए सत्ता भी हासिल की।

छत्रपति शिवाजी महाराज: क्यों कहे जाते हैं सच्चे हिंदू राजा

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

तथाकथित धर्मनिरपेक्ष इतिहासकारों ने अक्सर हिंदू नायकों को हीन और इस्लामी आक्रमणकारियों को महान व्यक्तित्व के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया है। यह भी कि 1947 से 1975 तक अधिकांश मानव संसाधन विकास मंत्री मुस्लिम थे, जिन्होंने भारतीय पाठ्य-पुस्तक इतिहास की देखरेख की। ये इतिहासकार शिवराय को एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिन्होंने हिंदू कारणों के बजाय सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। ये नकली इतिहासकार उनकी सेना में बड़ी संख्या में मुसलमानों के बारे में झूठी मिथक बनाने के लिए भी जिम्मेदार हैं। आइए तथ्यों पर नज़र डालें, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि उन्होंने सनातन धर्म की महिमा को बहाल करने और हिंदू कारणों के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए संघर्ष किया। एक हिंदू होने के नाते, उन्होंने हिंदुओं और उनकी महान विरासत के खिलाफ अन्याय का विरोध और लड़ाई करते हुए कभी भी किसी धर्म का तिरस्कार नहीं किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में स्वामी विवेकानंद के विचार- "पिछली तीन शताब्दियों में भारत ने जो सबसे महान राजा पैदा किया, वह शिव का ही अवतार था, जिसके बारे में उसके जन्म से बहुत पहले ही भविष्यवाणियाँ की जा चुकी थीं। महाराष्ट्र के सभी महान आत्माएँ और संत उत्सुकता से उनके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे, क्योंकि वह हिंदुओं को म्लेच्छों से बचाएगा और धर्म की स्थापना करेगा, जिसे मुगलों की विनाशकारी भीड़ ने नष्ट कर दिया था"। क्या शिवराय से बड़ा कोई नायक, संत, भक्त या राजा है? शिवराय मानव जाति के जन्मजात राजा का प्रतीक थे, जैसा कि हमारे प्राचीन महाकाव्यों में दर्शाया गया है। उन्होंने भारत के सच्चे पुत्र का उदाहरण दिया, जो राष्ट्र की चेतना का प्रतीक थे। यह वह थे जिसने दिखाया कि भारत का वर्तमान या भविष्य में क्या होगा, एक ही छत्र के नीचे अलग-अलग इकाइयों का संग्रह, यानी एक सर्वोच्च शाही आधिपत्य।

शिवाजी महाराज सच्चे हिंदू योद्धा थे, झूठे धर्मनिरपेक्षतावादी नहीं- असाधारण प्रतिभा और स्पष्ट दृष्टि रखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उनके पास एक प्रेरक और आकर्षक व्यक्तित्व भी था जिसने उनके समर्पित सैनिकों और किसानों से सम्मान, वफादारी और महानतम बलिदान प्राप्त किया। अपने हिंदवी स्वराज्य को बनाने के लिए अपनी माँ और महाराष्ट्र के संतों द्वारा उनमें डाले गए सर्वोच्च आदर्शों से प्रेरित एक साहसी मिशन, उन्हें हिंदुओं की सोई हुई अंतरात्मा को जगाना था और यह प्रदर्शित करना था कि मुगल सत्ता को सफलतापूर्वक चुनौती देना, विदेशी प्रभुत्व को खत्म करना और मुस्लिम शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना संभव था।

हिंदू मंदिरों का पुनर्विकास और हिंदू एकता की मजबूती- हिंदुओं के स्वाभिमान और संस्कृति को छत्रपति शिवाजी महाराज ने बनाए रखा था। जब विदेशी आक्रमणकारी हमारी भूमि पर आए, तो उन्होंने मठों और मंदिरों को ध्वस्त करके हिंदू समुदाय को नष्ट करने का प्रयास किया। इस तरह के विनाश के उदाहरणों में बाबर द्वारा अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद बनाना और औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ और मथुरा मंदिरों को ध्वस्त करना शामिल है। इन मंदिरों के स्थान पर मुस्लिम आक्रमणकारियों ने जो निर्माण किए, वे हमारे लिए बेहद अपमानजनक हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार श्री अर्नोल्ड टॉयनबी ने 1960 में दिल्ली में एक व्याख्यान में कहा, "आपने अपने देश में औरंगजेब द्वारा बनाई गई मस्जिदों को संरक्षित किया है, हालांकि उनका

इतिहास बहुत अपमानजनक था।" जब रूस ने उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में पोलैंड पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने अपनी जीत की याद में वारसॉ के केंद्र में एक रूसी रूढ़िवादी चर्च बनाया। जब पोलैंड को प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वतंत्रता मिली, तो सबसे पहले उसने रूस द्वारा बनाए गए चर्चों को ध्वस्त कर दिया और रूसी प्रभुत्व की याद दिलाने वाले अवशेषों को खत्म कर दिया। क्योंकि चर्च ने पोलिश लोगों के रूसी हाथों उनके अपमान की निरंतर याद दिलाई। इसी कारण से भारत में राष्ट्रवादी संगठनों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलाया। वास्तव में छत्रपति शिवाजी महाराज ने यह कार्य पहले ही शुरू कर दिया था। गोवा में सप्तकोटेश्वर, आंध्र प्रदेश में श्रीशैलम और तमिलनाडु में समुद्रतिरपेरुमल के मंदिरों का जीर्णोद्धार महाराजा ने ही करवाया था। "यदि आप हमारे मंदिरों को तोड़ते हैं और हमारी संस्कृति का अपमान करते हैं और हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुँचाते हैं, तो हम हठपूर्वक उनका पुनर्निर्माण करेंगे" -यह संदेश छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने कार्यों के माध्यम से मुस्लिम आक्रमणकारियों को दिया था। 1678 के एक पत्र में, जेसुइट पुजारी आंद्रे फेयर ने बीआईएसएम, पुणे (1928, पृष्ठ 113) द्वारा जारी ऐतिहासिक मिश्रण में कहा है कि किसी भी देश से धर्म और संस्कृति को नहीं छीना जा सकता। आत्मसम्मान कभी नहीं छीना जा सकता। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया, यदि विदेशी हमलावर हमारे आत्मसम्मान पर हमला करते हैं, तो हमें दासता के निशान मिटाकर और अपनी गरिमा को बहाल करके उचित जवाब देना चाहिए। कई हिंदू योद्धाओं ने दबाव में या अपने मुस्लिम आकाओं (सुल्तानों) को खुश करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था। शिवाजी ने उनमें से कई को सनातन धर्म में वापस आने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी मदद की। उनके बड़े बेटे और महान योद्धा शंभू राजे ने एक पत्र में अपने पिता को "म्लेच्छक्षयदीक्षित" कहा है जिसका अर्थ है वह जिसने मुस्लिम आक्रमणकारियों को नष्ट करने की शपथ ली है। जब पुर्तगाली उन्हें लिखते थे, तो वे पत्र की शुरुआत इन शब्दों से करते थेः 'हिंदू सेना के जनरल को'। क्या इसे किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता है? छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में सांस्कृतिक और राजनीतिक हिंदू शक्ति को पुनर्जीवित किया। उन्होंने भाषा के शुद्धिकरण और सभी फारसी और उर्दू शब्दों को हटाने के लिए पंडितराव नामक एक विशेष पद और व्यक्ति की नियुक्ति की। छत्रपति संभाजी महाराज ने संत तुकाराम महाराज की पालकी के लिए एक समर्पित सेना तैनात करने की प्रथा शुरू की जो आज भी जारी है। छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज दोनों ने हिंदू मंदिरों, संतों और उद्देश्यों को अनुदान देने की प्रथा को बनाए रखा और जारी रखा। **शिव छत्रपति** : चिटनिस और शिवदिग्विजय के अंशों के साथ सभासद बखर का अनुवाद, इस्लामी आक्रमणकारियों और उन लोगों के बारे में उनके विचार जिनके कार्य हिंदू मूल्यों और मानवता के विपरीत थे। "इस्लामी आक्रमणकारियों की रोटी पर जीना और गोहत्या देखना अच्छा नहीं है। मृत्यु कहीं अधिक वांछनीय है। मैं अब धर्म पर कोई अपमान या इस्लामी आक्रमणकारियों के किसी अन्याय को बर्दाश्त नहीं करूंगा। यदि मेरे पिता मुझे इस कारण से त्याग देते हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन ऐसी जगह पर रहना अच्छा नहीं है।" (पृष्ठ 157) "पिता पुत्र के लिए देवता के समान पवित्र होता है। उसकी आज्ञा का आदरपूर्वक पालन करना चाहिए। लेकिन धर्म का नाश हो चुका है और हर बात में म्लेच्छ ही सर्वोच्च हैं। मुझे उन्हें उखाड़कर अपने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण और अपना सर्वस्व दांव पर लगाना चाहिए। फिर मैं वह कैसे कर सकता हूँ जो मेरे पिता ने मुझे अपने पत्र में करने को कहा है। मैंने यह रास्ता इसलिए अपनाया है क्योंकि मुझे यह अधिक श्रेयस्कर लगा।" (पृ.171-172) "दिल्ली के साम्राज्य और उत्तर के राज्य पर विजय प्राप्त करने के लिए मेरा जीवन पर्याप्त नहीं था। भविष्य में, मैंने जो राज्य स्थापित किया है, उसे और अधिक सुदृढ़ और विस्तारित किया जाना चाहिए, तथा उसमें मैंने अब तक जो वीरता दिखाई है, उससे भी अधिक वीरता दिखाई जानी चाहिए और आपको (मेरे बहादुर अधिकारियों को) पदोन्नत किया जाना चाहिए। (पृ.248) जदुनाथ सरकार जी की पुस्तक शिवाजी और उनके समय के अनुसार, उन्होंने महाकाव्यों (इतिहास) श्री रामायण और श्री महाभारत में महारत हासिल की थी। उन्होंने पुस्तकों को पढ़ने के बजाय पाठ और कहानी सुनाने के माध्यम से दो मुख्य हिंदू महाकाव्यों को सीखा। राम और पांडवों की कहानियाँ, जो कार्रवाई, बलिदान, सैन्य कौशल और शासन कला के साथ-साथ राजनीतिक शिक्षाओं और नैतिक सिद्धांतों के उदाहरण प्रदान करती हैं, ने उनके युवा मन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। कई कम्युनिस्ट भारतीय और विदेशी लेखकों ने पैसे और प्रसिद्धि की इच्छा के साथ-साथ एक दोषपूर्ण विचारधारा के कारण महान छत्रपति शिवाजी महाराज को बदनाम करने का प्रयास किया।

सूडोकू नवताल- 7346

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7345 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

यूरोप को राजनीतिक और कूटनीतिक झटके

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फार्मूला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एडीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है। यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैकि तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है, जिससे आपके धन-संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा। ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलने की संभावना है, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहेगा, ग्राफिक डिजाइन कोर्स सीखने का मौका मिलेगा। आज आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता रहेगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। विपरीत परिस्थितियों में सूझ-बूझ से काम लेंगे तो, आज किसी समस्या का समाधान अवश्य मिलेगा। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज आप जोखिम भरे कामों से दूर रहें।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, परिवार में सभी एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है। महिलाएं अपने बिजनेस में ज्यादा एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। आज आपकी सोची हुई कोई योजना पूरी होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। आज आपके मन में तरह-तरह की बाते चलेंगी। नजदीकी लोगों से बातचीत करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, नहीं तो आस-पास के लोग आपका विरोध कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जाएगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। आज किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया जल्दी न दें, पहले स्थितियों को समझें फिर अपनी राय सोच समझ कर दें इससे लोगों के बीच आपकी अहमियत बढ़ जाएगी।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

मकर राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। नये व्यवसाय में पैसा लगाने के बारे में आप सोच सकते हैं, एक्सपर्ट से राय लेना न भूलें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। नए लोगों से मिलना और बातें करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन तथ्यों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200000 से 300000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली हुई है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं। चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20,000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32,000 भारतीय छात्रों में से केवल 4,000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे के अतिरिक्त जोखिम हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24,000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10,000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75,000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है। उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना ज़रूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतरराष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं। चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मज़बूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर ज़ोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना ज़रूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन ज़रूरी है। एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्ज़िट टेस्ट (एनईएक्सटी), भारत और विदेश दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट आज से, आठ टीमें ले रही हिस्सा

पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के बीच खेला जाएगा

कराची। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी बुधवार से यहां पाकिस्तान में शुरु होगी। 2017 के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। ऐसे में भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। भारत ने सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट के लिए पाक जाने से इंकार कर दिया था। इसमें विश्व की आठ टीम भाग ले रही हैं। सभी 4-4 टीमों को दो समूहों में बंटा गया है और सभी को आपस में तीन-तीन लीग मैच खेलने होंगे। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला गत विजेता पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से खेलेगी। टूर्नामेंट में भारत और पाक का मुकाबला भी 23 फरवरी को दुबई में ही होगा।

ग्रुप ए

पाकिस्तान : मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

न्यूज़ीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तन्जीद हसन, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, मोहम्मद महमुदुल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तन्जीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ग्रुप बी

दक्षिण अफ्रीका : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम ज़म्पा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है। आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों को यहां मूवमेंट और बाउंस मिलता रहा है। नई पिच पर तेज गति से गेंदबाजी करने वाले स्पिनर मैच में अंतर ला सकते हैं। स्थितियां बल्ले और गेंद के बीच उचित संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है। इससे प्रतिस्पर्धी मुकाबले सुनिश्चित होंगे। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए पांच स्पिनर चुने हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पिछले हफ्ते यशस्वी जायसवाल की जगह वरुण चक्रवर्ती को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। चक्रवर्ती ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू किया था। अन्य चार स्पिनर रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर हैं। टीम में पांच स्पिनर जिनसे भारतीय टीम लाभ में रह सकती है।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

मुम्बई। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकत हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डंस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले से होगा।

मंधाना के अर्धशतक से आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया

नई दिल्ली। कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यपीएल) क्रिकेट के अपने दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 141 रन बनाये। इस प्रकार आरसीबी को जीत के लिए 142 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने दो विकट के नुकसान पर ही 17 ओवरों के अंदर ही हासिल कर लिया। आरसीबी की ओर से मंधाना ने सबसे ज्यादा 81 रन रन बनाये जबकि डेनिएल वायट ने 42 ऋचा घोष ने नाबाद 11 और एलिस पेरी ने नाबाद 7 रन बनाये। इससे पहले आरसीबी ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी की गेंदबाज रेणुका सिंह और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम के तीन-तीन विकेट लेकर आरसीबी ने कैपिटल्स को 141 रन पर ही आउट कर दिया। रेणुका और जॉर्जिया के अलावा किम गार्थ और एकता बिष्ट दो-दो विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। इसके अलावा केवल सारा ब्राइस 23 ही 20 रन तक पहुंच पायी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरी ही गेंद पर शेफाली वर्मा एक भी रन बनाये बिना पेवेलियन लौट गयीं।

बुमराह के नहीं होने से बांग्लादेश के पास जीत हासिल करने का अवसर : कायेस

दुबई। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस को उम्मीद है कि इस बार भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। कायेस का मानना है कि ऐसे में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में जीत हासिल करने का अच्छा मौका है। कायेस के अनुसार इस मैच में बांग्लादेशी बल्लेबजा भारतीय गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बना सकते हैं। कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है पर इस बार बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को लाभ मिलेगा। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी के पास भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है पर वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है हालांकि लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये खतरनाक साबित हो सकता है। बांग्लादेश टीम में इस बार अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है। इस समय बांग्लादेश की टीम संघर्ष कर रही है क्योंकि अगर शाकिबत नहीं खेलता है तो उन्हें एक अतिरिक्त स्पिनर उतारना होगा। उन्होंने कहा, 'लिटन का फॉर्म भी चिंता का कारण रहा है लेकिन बीपीएल के कुछ मैचों में उसने रन बनाए हैं।

व्यापार

शेयर बाजार की फिर गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 200 अंक टूटा; निफ्टी 22,900 के नीचे फिसला

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान में खुलने के बाद लाल निशान में फिसल गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.85 अंक बढ़कर 76,073 पर ओपन हुआ जबकि निफ्टी 50 4.15 अंक की बढ़त के साथ 22,963.65 पर खुला। हालांकि, खुलने के बाद तुरंत बाद दोनों प्रमुख इंडेक्स गिरावट में चले गए। इससे पहले सोमवार को सेंसेक्स आठ दिन से जारी गिरावट के सिलसिले को रोकते हुए हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहा। बीएसई सेंसेक्स निचले स्तर से 702 अंक रिकवर करते हुए बढ़त में बंद हुआ। दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 30 अंक की बढ़त के साथ 22,959.50 पर बंद हुआ। यह 22,725 के इंट्राडे निचले स्तर पर पहुंच गया था। निफ्टी आईटी और मीडिया को छोड़कर सभी सेक्टर नेगेटिव रुख में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी पीएसयू बैंक सेक्टोरल लूजर लगभग 0.7 प्रतिशत नीचे चल रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि सोमवार को इंट्राडे में तेज रिकवरी के बावजूद शेयर बाजार में सेंटीमेंट्स कमजोर बने हुए हैं। अमेरिका स्टॉक एक्सचेंज में वॉल स्ट्रीट से सोमवार के कारोबार में कोई ठोस संकेत नहीं मिलने के कारण घरेलू शेयर बाजार आज दिशात्मक समर्थन के लिए एशियाई बाजारों की चाल पर नजर रखेंगे। वहीं अमेरिका के स्टॉक एक्सचेंज वॉल स्ट्रीट से सोमवार को कोई ठोस संकेत नहीं मिलने के कारण भारतीय शेयर बाजार आज दिशात्मक समर्थन के लिए एशियाई बाजारों की चाल पर नजर रखेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया के मॉनेटरी पॉलिसी निर्णय से पहले ऑस्ट्रेलिया बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200, 0.43 प्रतिशत गिरकर चल रहा था। रॉयटर्स का अनुमान है कि दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 4.1 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इस बीच जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 में 0.28 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक चाल के साथ सपाट था। विदेशी संस्थागत निवेशकों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सोमवारको शुद्ध रूप से 3,937.83 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी बेची। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,759.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

सोना 85,400 रुपये, चांदी 95,900 रुपये के करीब

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कीमती धातुएं महंगी होने से देश के सराफा बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस समय आज सोने के वायदा भाव 85,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुलने के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 145 रुपये की तेजी के साथ 85,200 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 350 रुपये की तेजी के साथ 85,405 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 161 रुपये की तेजी के साथ 95,741 रुपये पर खुला। इस समय यह 300 रुपये की तेजी के साथ 95,880 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। हालांकि इनके भाव गिरावट के साथ खुले थे। कॉमेक्स पर सोना 2,895.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,900.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 22.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,923.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.68 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.85 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 32.95 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शुरुआती कारोबार रुपया आठ पैसे टूटकर 86.96 पर खुला

सोमवार को रुपया 17 पैसे कमजोर होकर 86.88 पर बंद हुआ था

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे गिरकर 86.96 पर आ गया। यह गिरावट विदेशी कोषों की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के चलते आई। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि डॉलर/रुपये की जोड़ी के लिए नकारात्मक रुझान है, क्योंकि विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली जारी रखे हुए हैं और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का समर्थन धीरे-धीरे कम हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 86.94 पर खुला और फिर गिरकर 86.96 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे कमजोर होकर 86.88 पर बंद हुआ था। व्यापारियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक के उपायों और संभावित अमेरिकी शुल्क की अनुपस्थिति ने व्यापार संबंधी चिंताओं को कम कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां बनी हुई हैं। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.90 पर पहुंच गया।

भारत-कतर की भावी साझेदारी स्थिरता, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और ऊर्जा के आधार पर बरकरार रहेगी : पीयूष गोयल

- क्यूबीए और सीआईआई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-कतर की भावी साझेदारी का आधार स्थिरता, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता तथा ऊर्जा है। वह मंगलवार को यहां भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी इस सत्र के मुख्य अतिथि थे। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी विश्वास, व्यापार और परंपरा की बुनियाद पर टिकी है। उन्होंने कहा कि व्यापार की शर्तें बदल रही हैं, ऊर्जा व्यापार से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), क्वांटम कंडक्टिंग, सेमीकंडक्टर आदि जैसी उभरती हुई तकनीकें भी इसमें शामिल हैं। भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा खतरों और दुनिया भर में स्थानीयकरण पर ध्यान केंद्रित करने के संदर्भ में सम्पूर्ण विश्व एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और कतर एक दूसरे के पूरक हैं और समृद्धि तथा बेहतर भविष्य के लिए संयुक्त रूप से कार्य कर सकते हैं। दोनों देश मिलकर व्यापार, निवेश के मामले में बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने कतर व्यवसायी संघ (क्यूबीए) तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के बीच हस्ताक्षरित दो समझौता ज्ञापनों तथा इन्वेस्ट कतर और इन्वेस्ट इंडिया के बीच हस्ताक्षरित एक अन्य समझौता ज्ञापन का भी उल्लेख किया। गोयल ने इस मौके पर व्यापार और वाणिज्य पर संयुक्त कार्य समूह को मंत्री स्तर पर उन्नत करने की भी घोषणा की। पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि आज चाहे बड़े देश हों या वैश्विक मंच, भारत के प्रति विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने व्यापार जगत प्रमुखों से उसी भावना और आत्मविश्वास के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत अर्थव्यवस्था, युवा आबादी के साथ एक समृद्ध जनसांख्यिकी, व्यापार के हर क्षेत्र में सुधार के अलावा कारोबार में सुगमता पर ध्यान केंद्रित करने और अपने औद्योगिक विकास केंद्रों में गुणवत्ता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्थिरता, विश्वसनीयता और निरंतरता का सर्वाधिक अनुकूल स्थल है। गोयल ने कतर की कंपनियों को निवेश, विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास में भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि कतर विजन 2030 और विकसित भारत 2047 दृष्टिकोण दोनों देशों के लोगों के लिए एक साथ मिलकर एक व्यापक और उज्ज्वल भविष्य को परिभाषित करेंगे।

झांसी में शुरू हुई फिल्म ‘बॉर्डर-2’ की शूटिंग, पहली झलक आई सामने

अभिनेता सनी देओल को आखिरी बार ‘गदर-2’ में देखा गया था, जिसमें उनके दमदार अभिनय को खूब सराहा गया। यह फिल्म 2023 की सुपरहिट फिल्मों में शामिल रही थी। फिलहाल, सनी देओल के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें से एक का नाम ‘बॉर्डर-2’ है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में वरुण धवन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ‘बॉर्डर-2’ की शूटिंग झांसी में शुरू हो चुकी है और सेट से सनी देओल और वरुण धवन की नई झलक सामने आई है। फैंस इन दोनों सितारों को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। ‘बॉर्डर-2’ की शूटिंग जोरों पर है, वरुण धवन और सनी देओल संग निर्देशक अनुराग सिंह और पूरी टीम ने पोज दिए हैं। इस तस्वीर में वरुण धवन और सनी देओल के साथ फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता, और सह-निर्माता शिव चनाना व बिनॉय गांधी भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिससे दर्शकों में उत्सुकता और भी बढ़ गई है। ‘बॉर्डर-2’, साल 1997 में आई क्लासिक फिल्म ‘बॉर्डर’ का सीक्वल है, जिसका निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। यह सीक्वल भी दमदार कहानी और देशभक्ति के जज्बे को बड़े पर्दे पर जीवंत करेगा। फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और इसके धमाकेदार एक्शन व भावनात्मक पलों का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

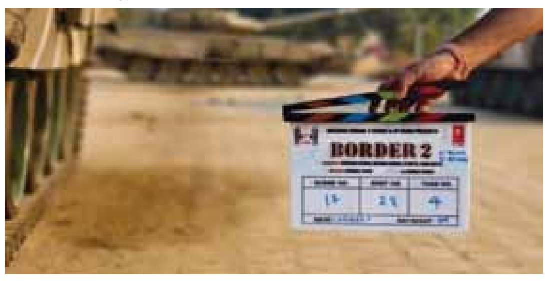

‘गांधारी’ में एक्शन से भरपूर भूमिका में नजर आने वाली तापसी पन्नू

मुंबई। आगामी फिल्म ‘गांधारी’ में अभिनेत्री तापसी पन्नू एक्शन से भरपूर भूमिका में नजर आने वाली हैं। तापसी के एक्शन कौशल की फिल्म की निर्माता और लेखिका कनिका ढिल्लों ने तारीफ की है। उन्होंने बताया कि तापसी में एक खास प्रकार की फुर्ती है, जो उन्हें एक्शन फिल्मों के लिए परफेक्ट बनाती है। कनिका ने एक्शन सीन्स के दौरान तापसी के प्रदर्शन को लेकर कहा, “टीम एक सीन की शूटिंग कर रही थी, जिसमें तापसी के किरदार को एक दीवार पर चढ़ना था। बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के, तापसी ने एक ही टेक में दीवार पर चढ़ने में सफलता हासिल की, जैसे वह एक पैंथर हों। जब शॉट कट हुआ, तो पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।” इस फिल्म में तापसी के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल भी अहम भूमिकाओं में हैं। कनिका ने यह भी कहा, “तापसी में एक विशेष प्रकार की फुर्ती और चपलता है, जो उन्हें ‘गांधारी’ के लिए एकदम सही बनाती है। वह इस किरदार से सभी को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया।” ‘गांधारी’ एक रोमांचक कहानी का वादा करती है, जिसमें मनोरंजन, रहस्य और हाई एक्शन का तड़का लगेगा। फिल्म में तापसी पन्नू एक मजबूत मां के किरदार में दिखेंगी, जो एक मिशन पर निकली हैं। कनिका ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी सराहना की, खासकर इश्वाक के फिल्म से जुड़ने पर, जिन्होंने फिल्म में नए आयाम जोड़े हैं। कनिका ने कहा, “इश्वाक के फिल्म से जुड़ने से फिल्म में एक नई प्रतिभा और कहानी में कई परतें जुड़ी हैं, और मैं दर्शकों को देवाशीष मखीजा के निर्देशन में इस जादू को देखने के लिए उत्साहित हूं।” फिल्म का निर्माण कथा पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है, और इसका निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। ‘गांधारी’ में तापसी पन्नू के साथ इश्वाक भी मुख्य भूमिका में हैं। तापसी ने आखिरी बार ‘खेल खेल में’ फिल्म में अभिनय किया था, जो मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी थी।

हीरो नंबर वन बिग बी, हीरोइन नंबर वन बनी दीपिका

पुष्पा भाऊ अल्लू और रश्मिका मंदाना दे रहे टक्कर

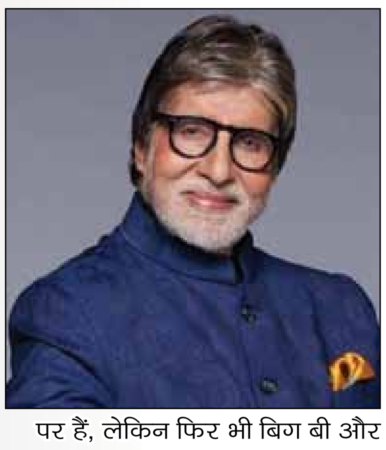

एक सर्वे में अमिताभ बच्चन देश के नंबर 1 हीरो और दीपिका पादुकोण नंबर 1 हीरोइन बनी हैं। अगस्त 2024 में भी सर्वे का यहीं नतीजा था, और इस बार भी इनका जलवा बरकरार है। वहीं, पुष्पा भाऊ अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना भी उन्हें दमदार टक्कर दे रहे हैं। वे नंबर 3 पर हैं, लेकिन फिर भी बिग बी और दीपिका की बादशाहत को तोड़ नहीं सके हैं। यह पहला सर्वे है, जिसमें अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक के ट्रेंड्स को ध्यान में रखा गया है, लेकिन नतीजे बताते हैं कि बिग बी और दीपिका की बादशाहत अब भी कायम है! दीपिका अपनी धमाकेदार फिल्मों की बदौलत अब भी दर्शकों की फेवरेट बनी हुई हैं। कल्कि 2898 एडी की ग्लोबल सक्सेस और सिंघम अगेन में ‘लेडी सिंघम’ के दमदार अंदाज ने उन्हें टॉप पर बनाए रखा है। वहीं, ऐश्वर्या राय बच्चन, जो आखिरी बार मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन फिल्मों में दिखी थीं, दूसरे नंबर पर आ गई हैं। रश्मिका मंदाना अपनी सुपरहिट फिल्म पुष्पा के कारण तीसरे स्थान पर हैं, जबकि कंगना रनौत अपनी फिल्म इमरजेंसी के साथ चौथे पायदान पर हैं। दीपिका सिर्फ भारत की सबसे बड़ी सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन भी हैं, जो इंटरनेशनल लेवल पर देश को शानदार तरीके से रिप्रेजेंट कर रही हैं। हाल ही में, मां बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली इंटरनेशनल अपीयरेंस कार्टियर के 25वें एनिवर्सरी सेलिब्रेशन में की, जहां वे दुबई में बतौर ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के रूप में नजर आईं। उनकी फिल्मों ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है, जो उनकी जबरदस्त स्टार पावर और दमदार काम का सबूत है!<दीपिका इस वक्त बैक-टू-बैक हिट फिल्मों की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं। पठान (1050.3 करोड़), जवान (1150 करोड़), फाइटर (337.2 करोड़) और कल्कि (1200 करोड़) जैसी बड़ी फिल्मों ने मिलकर 3680 करोड़ की ग्लोबल कमाई कर ली है। इतने जबरदस्त बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड के साथ, दीपिका ने खुद को देश की नंबर 1 अभिनेत्री के तौर पर और भी मजबूती से साबित कर दिया है!

कैटरीना कैफ ने की आईफा अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होने की पुष्टि

मुंबई। बालीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने आईफा अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हैं। कैटरीना ने इस इवेंट में शामिल होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, आईफा हमेशा मेरे लिए सिर्फ एक ग्लोबल इवेंट से कहीं बढ़कर रहा है। यह एक यात्रा रही है जो प्यार, उत्साह और शानदार पलों से भरी हुई है, जिसने मेरे सिनेमा और प्रशंसकों के साथ जुड़ाव को आकार दिया है। कैटरीना ने अपने आईफा सफर को याद करते हुए कहा, यह एक ऐसी जगह है, जहां हम भारतीय सिनेमा के जादू, कहानी कहने के जुनून और वैश्विक मंच पर एक साथ आने की खुशी का जश्न मनाते हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि आईफा में शामिल होकर उन्हें हमेशा यादगार पल मिले हैं और इस सिल्वर जुबली का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है। इस साल, आईफा वीकेंड और अवाइर्स का आयोजन जयपुर में होगा, जहां भारतीय सिनेमा के शानदार 25 वर्षों का जश्न मनाया जाएगा। कैटरीना ने इस इवेंट को लेकर अपनी उम्मीदों और उत्साह को व्यक्त किया और कहा, मैं इस कार्यक्रम के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो पुरानी यादों, ख़ुशी और प्रशंसकों की ऊर्जा से भरा होगा। आईफा अवॉर्ड्स का आयोजन 8-9 मार्च 2025 को जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में होगा। इस बार के कार्यक्रम में शाहरुख खान और कार्तिक आर्यन पहली बार आईफा को होस्ट करेंगे। साथ ही, करण जौहर मुख्य कार्यक्रम की मेज़बानी करेंगे, जबकि अपारशक्ति खुराना भी उनके साथ होंगे। इसके अलावा, राकेश रोशन को आईफा में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि इस साल आईफा अपने सिल्वर जुबली को मना रहा है, और कैटरीना ने अपने इस कार्यक्रम के प्रति खास लगाव का इज़हार किया।

अर्जुन कपूर की फिल्म ‘मेरे हसबैंड की बीवी’ का नया गाना ‘सांवरिया जी...’ रिलीज़

मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म ‘मेरे हसबैंड की बीवी’ का ऐलान होने से ही दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों का उनका इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना ‘सांवरिया जी...’ जारी कर दिया है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। मस्ती और रोमांस से भरपूर यह गाना सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहा है। फिल्म ‘मेरे हसबैंड की बीवी’ के नए गाने ‘सांवरिया जी ...’ को सोहेल सेन और वर्षा सिंह धनोआ ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल खुद मुदस्सर अजीज ने लिखे हैं। फिल्म की कहानी प्रेम त्रिकोण पर आधारित है और इसमें अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह की तिकड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी। इसके अलावा, हर्ष गुजराल इस फिल्म में अर्जुन के दोस्त का किरदार निभाते हुए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म को वाशु भगनानी और जैकी भगनानी ने प्रोड्यूस किया है। ‘मेरे हसबैंड की बीवी’ 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और दर्शक इसमें मनोरंजन, रोमांस और कॉमेडी का जबरदस्त तड़का देखने के लिए उत्साहित हैं।

New Delhi stampede wasn't solely a Railway blunder?

Agency: The Indian Railways is facing criticism for the mismanagement at New Delhi Railway Station that resulted in a deadly stampede on February 15. The crowd crush led to the death of 18 people, most of them women and children. The railway officials responsible for adjusting platforms for eastbound trains and the Railway Protection Force (RPF) personnel undeniably share responsibility for the incident. But is the entire blame solely on the Railways or other government departments, too must share the blame? That the Railways missed a trail of red flags that could have prevented the stampede on February 15 is true. But there is a bigger question here. Was there no prior information with the Delhi Police that could have been shared with railway officials about the incoming crowd at New Delhi station? Questions are now spilling beyond the railway station premises, as the New Delhi station is barely a square kilometre in an area located at the heart of the capital. Beyond the station premises, the law and order falls under the prerogative of the Delhi Police, which operates under the Union Home Ministry. Did the Delhi Police personnel stationed at chowkis on both the Paharganj and Ajmeri Gate sides fail to notice the massive influx of passengers heading towards the station on February 15? The questions to the local administrations include why no holding area was created in collaboration with the Railways despite the ongoing Maha Kumbh, and why intelligence inputs or real-time feedback on a surge in passengers weren't shared with the Railways. The Maha Kumbh is the world's largest peaceful gathering of people. Till February 14, 50 crore people had visited Prayagraj for the Maha Kumbh. To cater to this flow of devotees, the Railways is running special trains to Prayagraj, including from New Delhi. The Railways has, meanwhile, constituted a two-member high-powered committee, which will come to a final conclusion on the cause after going through all reports of multiple departments. The New Delhi railway station stampede was caused by overcrowding due to multiple east-bound trains arriving at the same platforms, poor crowd management, lack of coordination between railway authorities and police, confusing announcements, and absence of holding areas to regulate passenger flow.

Just as station superintendents and station masters, along with their teams, are responsible for the management of the movement of trains and rakes in a railway station, the RPF and the GRP (Government Railway Police) are mandated to maintain law and order and provide security on the Indian Railways system. While both forces operate within the same domain and area, their responsibilities differ.

"While the RPF comes under the operational and administrative control of the Ministry of Railways, the GRP is an extension of the state police and is deployed at railway stations," a senior IPS officer, who has worked with the GRP, told on condition of anonymity. The RPF's primary responsibility is to safeguard railway property, including rolling stock (coaches and wagons), stations, and yard premises, protecting them from damage or sabotage. It is also tasked with investigating incidents of vandalism, theft, and other crimes related to Indian Railways' assets and entrusted property. On moving trains, it is mostly the RPF that monitors security and helps with law enforcement. "So, during periods of high footfall, such as Deepawali, Durga Puja, Chhath, and more recently, the Maha Kumbh, both forces (RPF and GRP) work together to ensure the safe movement of passengers at railway stations," said the IPS officer. On the evening of February 15, thousands of passengers crowded the New Delhi Railway Station, occupying platforms, foot-overbridges, and stairways. Multiple eastbound trains, including those heading to or passing through Prayagraj, where the Maha Kumbh is taking place, were delayed, and their passengers clustered on platforms on the Ajmeri Gate side. Then came the confusing announcement regarding two trains with the name 'Prayagraj', that acted as a catalyst for the stampede. "Upon hearing the announcement, the passengers with general tickets, who were waiting on platform 14, rushed towards 16 by crossing the foot overbridge," noted the Railway's probe report. At the time of the stampede, around 60 Railway Protection Force (RPF) and 20 Delhi Police personnel were stationed across the 16 platforms of New Delhi Railway Station, a report in The Indian Express noted. A railway official also told the newspaper that deploying an adequate number of personnel on the platforms and timely announcements could have prevented such a large-scale tragedy. "When the railways anticipate high footfall, such as during festivals or the ongoing Maha Kumbh, the GRP and RPF follow dedicated Standard Operating Procedures (SOPs) to manage the crowd. Measures like suspending platform tickets, designating separate platforms for specific destinations, and ensuring distinct entry and exit points are implemented during these periods," an Uttar Pradesh-based police Inspector, who's with the GRP, told agency. "Provisions for holding areas outside major stations are also made to decongest platforms and waiting halls during such times," adds the Inspector. Holding areas, which the Railways managed effectively during the 2024 Diwali-Chhath season at Anand Vihar Terminal (a hub for Bihar-bound trains), were notably absent at New Delhi station. Now, two days after the stampede, Railway Minister Ashwini Vaishnaw informed that separate holding areas at 60 busy stations across India would be made to regulate the rush of passengers.

Apart from these measures, the IPS officer tells India Today Digital, "These days, CCTV cameras are installed around railway stations. Their footage is recorded and monitored by the railways and the RPF, which uses it for surveillance and crowd management." The UP-based GRP Inspector, who is on the ground during the Maha Kumbh, says, "In the case of the stampede at New Delhi Railway Station, it is clear that not all SOPs were followed. Otherwise, these 18 lives would not have been lost." While this highlights the lapses in the responsibilities of the Railways, the Delhi Police, through its presence in the New Delhi station via the GRP, also appeared complacent -- not just during the stampede but even before it, as five red flags were already emerging from the developing situation. The New Delhi Railway Station sees an average of 5 lakh passengers daily, with footfall increasing to 6 lakh during the festive or holiday seasons. News reports have said that there were some 80 personnel deployed at the station -- but what about outside the station?

Wasn't the stampede that killed 18 people also a failure of the local intelligence-gathering mechanism, because the Railways has limited ability to handle such a surge in passengers? And its jurisdiction is confined to its premises. In situations like these, can the local administration jump in and inform the railways about the impending crowd?

"Yes, information about the surge in passengers could have been shared with the Railways, the RPF, and the New Delhi GRP, allowing them to raise an alarm and take preventive measures. The RPF could have sought the help of the local police on intelligence and also with the management of the crowd at New Delhi station that evening," the senior IPS officer told agency. "However, the Delhi Police that is deployed at the railway station, could also have informed the forces deployed at the station about the developing crowd situation. The state police can inform the railway about such situations, in writing through the GRP too," the senior IPS officer added. The Kamla Market Police station is hardly 800 metres from the spot of the February 15 stampede. In this case, the RPF's Intelligence Cell called the Multi-Agency Centre, where it shares information with other law enforcement agencies, clearly did not work. Now to ascertain the cause of the stampede, several associated departments have been asked to prepare reports. After going through these reports, the high-level committee set up by the Railway Ministry will cross-question the departments and reach a conclusion. One just hopes all big questions, including if agencies other than the Railways were to blame for the February 15 stampede, are answered then.

High levels of faecal bacteria in Sangam water. How high is health risk?

Agency: The National Green Tribunal (NGT) has raised concerns over high faecal coliform bacteria levels in the Ganga and Yamuna rivers in Prayagraj as millions are taking a dip at the Sangam during the Maha Kumbh. This came after a report by the Central Pollution Control Board (CPCB), filed on February 3, indicated high levels of faecal bacteria at various points along both the rivers near Prayagraj's Sangam, especially on Shahi Snan days. But what does high levels of faecal bacteria in water mean, and how big a health hazard is it? Levels of faecal coliform, which get in water due to the mixing of human or livestock excreta, indicate water quality and help in monitoring the presence of disease-causing bacteria in any water sample. The CPCB report says the river water quality did not conform with the bathing criteria with respect to biochemical oxygen demand (BOD). It also didn't conform with the primary water quality for bathing with respect to faecal coliform (FC). "Untreated faecal material adds excess organic material to the water which decays, depleting the water of oxygen," says US-based water research programme, KnowYourH2O, adding that it is a threat to the aquatic ecosystem. High levels of faecal coliform are associated with several health risks, including typhoid, gastroenteritis and dysentery, it says. The water quality mentioned by the CPCB was monitored on January 12-13 and the sewage treatment plants (STPs) were operational.

"The strength of faecal matter in sewage is monitored by coliform counts, a water quality parameter that acts as an indicator of pathogens that most commonly cause diarrhoea, as well as typhoid and a whole host of enteric diseases," according to a report by the Centre for Science and Environment (CSE). A 2004 committee formed by the Ministry of Urban Development recommended that the desirable limit of faecal coliform should be at 500 MPN/100ml and said that the maximum permissible limit should be capped at 2,500 MPN/100ml for discharge into the river. The Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change's CPCB, in its Maha Kumbh 2025 dashboard on the water quality at the various spots along the Ganga and the Yamuna also notes that the faecal coliform in the water should be less than or equal to 2,500 MPN/100ml. In the last recorded data on faecal coliform from February 4, the CPCB reported its levels in the Ganga at 11,000 MPN/100ml before Shastri Bridge and 7,900 MPN/100ml at Sangam. The Shastri Bridge over the Ganga is about 2km ahead of the Sangam site. In the Yamuna, before its confluence with the Ganga at Sangam, the reading was 4,900 MPN/100ml near the Old Naini Bridge.

5 Odisha university staffers arrested after protests over Nepal student suicide

Agency: Five staffers, including three directors and two security guards, were arrested on Tuesday in connection with the students protest over the alleged suicide of a Nepali student at Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT) in Bhubaneswar. The incident triggered widespread protests by more than 500 Nepali students across the campus. The matter escalated when the varsity authorities tried to forcibly evict some students from the campus, leading to diplomatic intervention. The arrest followed a police report released today, which detailed an incident involving the alleged use of force by security guards and university officials to remove protesting students from the campus. Witnesses, according to

the police, claimed that the guards verbally abused and physically assaulted the students, resulting in injuries. The individuals arrested have been identified as two security guards, Ramakanta Nayak and Jogendra Behera, along with three university officials. They now face charges under the relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS).

"KIIT has always been a home to students from across the world, fostering a culture of inclusivity, respect, and care. We deeply regret the recent incident and reaffirm our commitment to the safety, dignity, and well-being of all our students, including our dear Nepali students," the apology letter reads. Prakriti Lamsal, a third-year BTech student, was found dead in her hostel room on Sunday evening. Her friends claimed that harassment by her ex-boyfriend, Advik Srivastava, led to her taking her own life. Prakriti's father also accused her former boyfriend of "harassing and emotionally blackmailing" his daughter. Following a complaint from Prakriti's brother, the police filed a case. Advik Srivastava was arrested and charged with abetment of suicide under Section 108 of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS). The incident led to protests by over 500 Nepali students at the campus. Tensions increased when the college attempted to evict some students, prompting diplomatic intervention.

US, Russia appoint teams to work on ending Ukraine war 'as soon as possible'

Agency: The United States and Russia agreed on Tuesday to begin the process of ending the Russia-Ukraine war, as US Secretary of State Marco Rubio met Russian Foreign Minister Sergey Lavrov in Saudi Arabia's Riyadh. The two sides also appointed high-level teams to work on ending the Ukraine conflict "as soon as possible in a way that is enduring, sustainable, and acceptable to all sides," State Department said in a statement. Washington and Moscow also agreed to address the "irritants" in their bilateral relationship, marking a significant diplomatic development. The process will begin with efforts to end Russia's war in Ukraine, though both sides made it clear that these efforts are still in the early stages. Rubio said that the two sides agreed broadly to pursue three goals: to restore staffing at their respective embassies in Washington and Moscow, to create a high-level team to support Ukraine peace talks, and to explore closer relations and economic cooperation. Lavrov also confirmed the development, acknowledging that the talks were useful and that the Russian and American delegations listened to each other. He added that both sides agreed to create conditions for fully restoring cooperation between the two countries. "Should this conflict come to an acceptable end, the incredible opportunities that exist to partner with the Russians geopolitically on issues of common interest and frankly, economically, on issues that hopefully will be good for the world and also improve our relations in the long term," Rubio said.

Relations between Russia and the US have plunged to their lowest point in decades amid the ongoing war. Both embassies have suffered severe setbacks due to the mass expulsion of diplomats over the years. Meanwhile, the US and its European allies have imposed a series of sanctions on Russia, significantly weakening the economy.

Rubio, US national security adviser Mike Waltz and US envoy Steve Witkoff met for 4.5 hours with the Russian Foreign Minister Lavrov as a follow-up to US President Donald Trump's telephone call with Russian President Vladimir Putin last week. However, Ukraine was not part of the talks, hosted by Saudi Arabia.

Yogi Adityanath slams Samajwadi Party's 'Urdu bias': Want to make children maulvis

Agency: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Tuesday lashed out at the Akhilesh Yadav-led Samajwadi Party after the party demanded House proceedings be translated into Urdu as well. He accused the Samajwadi Party of "double-standards", saying they send their own children to English medium schools but want others' children to learn Urdu and become "maulvis". The heated exchange was witnessed in the Uttar Pradesh Vidhan Sabha on the first day of the Budget Session. The Speaker had mentioned that the proceedings of the House will now be available in Awadhi, Bhojpuri, Braj, Bundeli, as well as English. Samajwadi Party leader Mata Prasad Pandey then demanded including Urdu translation as well. The SP leader's remark evoked a sharp response from Yogi Adityanath, who slammed Akhilesh Yadav's party for advocating Urdu only.

"People representing the public here are from various sections. If anyone is unable to speak in Hindi in the House, he should be able to present in Bhojpuri, in Braj, in Awadhi, in Bundelkhandi. But why are they advocating for Urdu instead? This is weird. This is why I say that the Samajwadi Party leaders have become so double-faced that they would send their children to English schools and ask other's children to go to schools in villages which even lack resources," Yogi Adityanath said. "They send their children to English medium schools but when the government wants to extend this opportunity to others' children, they (SP leaders) say 'teach them Urdu'... they want to make these children maulvis. They want to take the country towards fanaticism (kathmulla-pan)," Adityanath said. Speaking to agency, Uttar Pradesh Deputy Chief Minister Brajesh Pathak also attacked Samajwadi Party, accusing it of protesting against regional languages in order to advocate for Urdu. "If an MLA is able to talk in the House in his mother tongue, it is a happy occasion. Samajwadi Party should look inwards. The way they are protesting against regional languages, and the way they talk about Urdu to protest against the Hindi language" Pathak said. Meanwhile, Samajwadi Party leader RK Verma slammed Yogi Adityanath for the remark and said a Chief Minister should not be speaking in such a way. "Urdu has been known as Hindi's younger sister. Literary writers cannot complete their works without the use of the Urdu tongue. So he (Mata Prasad Pandey) asked why not to include Urdu... but the way the UP Chief Minister has reacted... I believe a person at the constitutional post should not speak in such a way," Verma told agency.

7 killed, 18 injured as dumper truck crashes into van in MP

Agency: Seven people were killed and 18 injured as a dumper truck hit a stationary loading van in Madhya Pradesh's Bhind district on Tuesday morning, officials said. The accident occurred around 5 am near Jawaharpura village when a group of people was returning from a wedding, SP Asit Yadav said. He said some of the victims were sitting in the van, and others were standing on the road when a speeding dumper truck dashed into them and their vehicle. Three persons were killed on the spot, and four others succumbed to their injuries later, taking the toll to seven, including four women, Collector Sanjeev Shrivastava told reporters. He said the dumper truck crashed into the van probably while trying to avoid hitting a motorcycle. Of the 18 injured, 12 were referred to Gwalior, while the others were undergoing treatment at the Bhind district hospital, the official said. Angry locals staged a road blockade after the incident, eyewitnesses said. The collector said the SP and the SDM went to the spot to pacify the agitated villagers, and they relented. Chief Minister Mohan Yadav expressed grief over the incident. He announced an assistance of Rs 4 lakh each to the kin of the deceased, Rs 1 lakh each to the seriously injured.

SC protects Allahbadia from arrest, raps him for comments

Agency: The top court restrained Ranveer Allahbadia and his associate influencers on controversial YouTube show from airing any other episode till further orders. Video grab/X In the eye of the storm over his comments about parents and sex during an episode of stand-up show 'India's Got Latent', podcaster Ranveer Allahbadia got a major relief on Tuesday from the Supreme Court which protected him from arrest in multiple FIRs lodged against him. A Bench of Justice Surya Kant and Justice N Kotiswar Singh also ordered that no further FIRs could be lodged against him in connection with this matter. The top court pulled up Allahbadia for his irresponsible comments. "Just because somebody thinks 'I am popular, I can speak anything and take society for granted' you tell us, who in the world would like such words?" Justice Kant said. "There is something dirty in his mind which has been vomited on the YouTube show," the Bench commented. As Allahbadia claimed death threats to his family and himself, the top court said he could approach the police in Maharashtra and/or Assam for "protection of his life and liberty, in case of threats".

UPSC further extends last date to apply for civil services prelims exam

Agency: The Union Public Service Commission (UPSC) has extended the last date to apply for this year's civil services preliminary examination till February 21. This is the second extension in the deadline to apply for the examination, conducted annually by the UPSC in three stages -- preliminary, mains and interview -- to select officers of the Indian Administrative Service, Indian Foreign Service and Indian Police Service, among others. The last date for submission for Civil Services (Preliminary)-2025 and Indian Forest Service (Preliminary)-2025 "has been further extended till February 21 (6 pm)," said a notice put out by the Commission on its website. Further, a correction window will also be open for the applicants "from February 22 to February 28", read the notice, without mentioning any reasons behind the second extension. The Commission had recently also introduced certain changes in its online application system for the exam after aspirants complained of technical glitches while applying through it. Candidates are required to apply online by using the website http://upsconline.gov.in.